हरिभूमि
# इस्पात भूमि
रायपुर, सोमवार, 21 अप्रैल 2025

**तापमान**

अधिकतम 35.8 डिग्री

न्यूनतम 25.4 डिग्री

12 सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले: लोकमनी

13 नशा मुक्ति, बालिका शिक्षा व सुरक्षा पर निकाली जन जागरुकता रैली

## इंसान ही नहीं बेजुबां परिंदें को भी होती है स्वस्थ बच्चे की चाहत

# मैत्रीबाग चिड़ियाघर में आस्ट्रेलियन ईमू बर्ड का बढ़ेगा कुनबा

विमलशंकर झा ▶▶|भिलाई

बीएसपी के मैत्रीबाग जू में आदमकद पक्षी ईमू बर्ड के परिवार में जल्द नया मेहमान आने वाला है। इसके लिए चिड़ियाघर में तैयारी शुरु हो गई है। ईमू मादा ने पांच अंडे दिए हैं। आस्ट्रेलिया के इस सुंदर राष्ट्रीय पक्षी के कुनबे को बढ़ता देखना मैत्रीबाग के लोगों के साथ सैलानियों के लिए भी एक सुखद और रोमांचकारी अनुभूति होगी। पखवाड़ेभर पूर्व अपने एनक्लोजर में मादा ईमू ने जिस ममत्व से अंडे दिए हैं, उतने ही जतन और सतर्कता से नर इन्हें से रहा है। उसके विशाल डैने के प्यार की गर्माहट देख मादा ईमू की बैचैनी और खुशी का ठिकाना नहीं है। वह चारों ओर फुदक फुदक कर अंडों की रक्षा कर रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक 8 हफ्ते में अंडों से बच्चे बाहर निकलते हैं। अंडों को मादा की सजगता से नर सेता है । इस दौरान मां और पिता यानी ईमू जोड़ा अंडों की विषैले जीवों से रक्षा को लेकर बेहद सजग होते हैं। मैत्रीबाग के प्रभारी और डीजीएम डां. एनके जैन बताते हैं कि ईमू एक बार में 4 से 7 अंडे देती है। हमें अंडों से बच्चों के बाहर आने की प्रतीक्षा है और विभागीय कर्मियों द्वारा इनकी देखभाल और सुरक्षा की जा रही है। गौरतलब हो कि हवा, पानी, सर्प आदि कारणों के चलते अंडों से सुरक्षित बच्चों का निकलना एक बड़ी चुनौती होती है। पांच साल पूर्व भी ईमू ने 5 अंडे दिए थे, जिन्हें फर्टीलाइट टेस्ट के लिए वेटेनरी कालेज अंजोरा भेजा गया था, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई थी। यूरोप के कुछ देशों में ईमू के अंडों में प्रोटीन विटामिन आदि पौष्टिक तत्वों की अधिकता के मिथक के चलते इस बेजुबां परिंदों के अस्तित्व पर संकट बड़ गया था। इसे देखते हुए आस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों ने संरक्षण के लिए कठोर कानून बनाए ।

### खाने के लिए देते हैं पैडी

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2012 में जवाहरलाल नेहरु जू बोकारो से मैत्रीबाग लाए गए एक जोड़ा आस्ट्रेलियन पक्षी ईमू बर्ड एक विलुप्तप्राय प्रजाति है। चार फीट कद के यह नर और मादा की उम्र 19 वर्ष है। यह दुर्लभ परिंदा मध्यभारत में सिर्फ मैत्रीबाग में है। शुष्क वनों और घास वाले मैदानी इलाकों में पाया जाने वाला ईमू शाकाहारी व मांसाहारी दोनों होता है। मैत्रीबाग में इन्हें खाने के लिए ज्वार, बाजरा आदि चोखर ( पैडी) दिए जाते हैं। ये कीड़े मकोड़े भी खाते हैं। डां. जैन बताते हैं कि इनकी औसत आयु तीस से चालीस साल होती और यह दुनिया कंगारु के बाद दुनिया का सबसे तेज दौड़ने वाला बर्ड है। हमारे खूबसूरत मोर की तरह यह आस्ट्रेलिया का राष्ट्रीय पक्षी है। अन्य परिंदों की तरह यह उड़ नहीं सकता लेकिन 60 किलो वजन के बाद भी बेहत फुर्तीला और ताकतवर होने के साथ संवेदनशील भी होता है।

## खबर संक्षेप

### हाइड्रा की टक्कर से मौत

**भिलाई।** तेज रफ्तार से वाहन को चलाते हुए चालक ने युवक को चपेट में लिया। हादसे में मौके पर ही उसकी मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने चालक के खिलाफ धारा 281,106(1) बीएनएस के तहत जुर्म दर्ज किया है। पुलगांव पुलिस ने बताया कि बीरपारा माजपारा थाना रानीताला जिला मुर्सिदाबाद पश्चिम बंगाल हाल मुकाम कोलिहापुरी निवासी ओसिमुददीन शेख ने सूचना दी कि ग्राम कोलिहापुरी भारतमाला रोड प्रोजेक्टा में हाइड्रा वाहन सीजी 07 बीटी 0316 के चालक सांकरा सोमानी निवासी नरेन्द्र कुमार निषाद के द्वारा हाइड्रा क्रेन को तेज रफ्तार व लापरवाही पूर्वक चलाते मोहम्मद हुमायूं कबीर को चपेट में लिया। हादसे में उसके शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई है। जिसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां चिकित्सकों ने मो. हुमांयुन कबीर का मृत घोषित कर दिया। मोह.हुमांयुन कबीर सेंटरिंग का प्लेट लेकर रोड किनारे किनारे जा रहा था। तभी हाइड्रा क्रेन ठोकर मार दिया।

### युवक पर चाकू से हमला, अपराध दर्ज

**भिलाई।** युवक को धारदार हथियार से हमला कर फरार होने वाले युवकों के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया है। छावनी पुलिस ने बताया कि बैकुंठधाम केम्प 2 निवासी रविशंकर शर्मा प्राइवेट कंपनी में सेल्समेन का काम करता है। 19 अप्रैल की रात अपने दोस्तो दीपक विश्वकर्मा, दीपक प्रजापति के साथ खडा था। पिता कन्हैयालाल शर्मा ने कॉल किया कि प्रशांत को अज्ञात ने चाकू से हमला कर दिया। दोस्तो के साथ पीड़ित अपने घर गया प्रशांत घायल पड़ा था। पुलिस ने जब प्रशांत से पूछताछ करने पर बताया कि दोस्त राहुल बांधे, राजवीर ऊर्फ लडडू शर्मा की बहन कशिश शर्मा से प्यार करता है। फोन पर बातचीत करता है। इस बात की जानकारी राजवीर ऊर्फ लडडू शर्मा को होने पर आदि ऊर्फ सोनू नागरारे, प्रकाश ऊर्फ लल्ला जांगडे, उमेंद सिंग ऊर्फ साहिल, प्रियांशु साहू ने मिलकर जैतखाम के पास बैकुंठधाम भिलाई पहुंचे। धारदार हथियार चाकू वार किया। जहां राहुल बांधे को देखकर राजवीर ऊर्फ लडडू शर्मा ने गाली गलौज किया। जब घायल बीच बचाव करने पहुंचा तो आरोपी युवकों ने राजवीर, आदि उर्फ सोनू,लल्ला,साहिल,प्रियांशु ने हमला कर दिया। आरोपी पुलिस पकड़ से बाहर है।

## पार्षद ने लगाए आरोप तो महापौर बोले: केमिकलयुक्त पानी की जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक तत्कालीन आयुक्त को करनी थी

# दस साल में नहीं मिला पीने के लिए साफ पानी, हर महीने एक करोड़ रुपए का पानी खरीदने मजबूर है लोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

भिलाई निगम की छह वार्डों की 15 हजार की आबादी पिछले दस सालों केमिकलयुक्त पानी पीने का दंश झेल रही है। हालात यह है कि अब वार्ड 41 से लेकर 46 तक की आधी आबादी केमिकलयुक्त पानी पीने से बचने के लिए पानी का जार खरीदती है। इन वार्डों में करीब 25 हजार की आबादी है और इसमें से 15 हजार लोग हर दिन जार खरीदते हैं। एक घर में औसतन दो जार खरीदे जा रहे हैं। 30 हजार रुपए के पानी का जार हर दिन उपयोग में आ रहा है। स्थानीय प्लांट के मालिक प्रति जार दस रुपए में देते हैं। इस तरह महीने में 90 लाख से एक करोड़ रुपए तक पानी पीने के लिए लोग खरीदने को मजबूर हैं। खास बात यह है कि इन वार्डों में सर्वाधिक आबादी गरीब वर्ग की है, जो अपने परिवार के भरण-पोषण करने लिए हर दिन जूझते नजर आते हैं। भिलाई में नगर सरकार कांग्रेस की है। लेकिन यहां अपनी सरकार से पार्षद जनता को केमिकल युक्त पानी से निजात दिलाने के लिए कई वर्षों से गुहार लगा रहे हैं, लेकिन नगर सरकार के मुखिया उनकी सुन ही नहीं रहे है। वार्ड क्रमांक 46 के पार्षद के जगदीश ने कहा कि महापौर उनकी सुनते नहीं है। मैंने सामान्य सभा में केमिकल युक्त पानी का मुद्दा उठाया था। निगम की टीम ने जांच की। लेकिन छह साल के बाद भी रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया है। इसका मतलब साफ हैं कि पानी में टीडीएस इतना अधिक है कि उसे लोग पी नहीं सकते है। उधर महापौर से जब हरिभूमि ने केमिकलयुक्त पानी के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि पानी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक तत्कालीन आयुक्त को करनी थी। पार्षदों ने सदन में मुद्दा उठाया हमने जांच कमेटी बनवाई। सभी प्रभावित वार्डों में टैंकर के माध्यम से पेयजल पहुंचा रहे हैं।

### यह तस्वीर बयां कर रही लोगों का दर्द

यह तस्वीर केमिकलयुक्त पानी से निजात पाने की छटपटाहट है। आम तौर पर दूसरे वार्डों के लोग अलसुबह नलों की तरफ पानी लेने के लिए भागते हैं लेकिन वार्ड क्रमांक 41,42,43,44, 45 और 46 की अलग ही कहानी है। यहां के लोग नलों के बजाय मोटरसाइकिल से निकलते हैं और पानी का जार लेने मशक्कत करते देखे जा सकते हैं। ये लोग पानी अपने घरों में पहुंचाते हैं और फिर काम.काज के लिए निकल जाते हैं।

यह तस्वीर इन वार्डों में ही शुद्ध वाटर प्लांट की है। केमिकलयुक्त प्रभावित वार्डों की गलियों में ऐसे वाटर प्लांटों की खूब दुकानदारी चमक रही है। हर दिन अलसुबह इन प्लांटों के बाहर मेटाडोर लगती है और उसमें सैकड़ों पानी के जार भरकर वार्डों में पहुंचती है। वार्डवासियों के घरों में ये जार नियमित सप्लाई का हिस्सा है। जैसे हर महीने लोग दूध का भुगतान करते हैं वैसे ही यहां के लोग हर महीने निर्धारित रकम वाटर प्लांट के संचालक को देते हैं।

### 6 वार्डों के इन इलाकों में सबसे ज्यादा प्रभावित

छह वार्डों के भू.गर्भ का सबसे ज्यादा हस्सि से खनिज व केमिकलयुक्त पानी निकल रहा है वे पूरे उद्योग से लगे हुए हैं। इन वार्डों के करीब पांच किलोमीटर का हिस्सा उद्योगों से लगा हुआ है। सालों से उद्योगों के वेस्ट मटेरियल से भू .गर्भ में रिसता चला आ रहा है। वार्ड क्रमांक 45 बालाजी नगरए वार्ड 46 गणेश मंदिर क्षेत्र, वार्ड 43 बापूनगर क्षेत्र,वार्ड 42 व 43 का एक किनारा, तरंगिनी नगर वार्ड 46, ज्योति नगर, उड़िया मोहल्ला, मिनी माता नगर, प्रियदर्शनी नगर, तेलगू मोहल्ला, न्यू तेलगू नगर,जैतखंब, सहाय न्यू नगर आदि क्षेत्रों में लोग लाल पानी से जूझ रहे हैं।

### 16 बोर को निगम ने किया है प्रतिबंधित

वार्ड क्रमांक 41,42,43,44,45 और 46 में लोगों को पानी देने के लिए बोर खुदवाए गए हैं। बोर के पानी को लोगों के घरों तक पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाई गई है और इस पाइप लाइन से नलों में पानी आता है। बोर से केमिकलयुक्त पानी व खनिज पानी आने के बाद इन वार्डों के कई बोर प्रतिबंधित कर दिए गए है। निगम सूत्रों के मुताबिक इन प्रभावित वार्डों में 16 बोर को प्रतिबंधित किया गया है। बोर के पंप हाउस की दीवार पर यह लिख दिया गया है कि यहां का पानी पीने योग्य नहीं है। इसलिए इस पानी का इस्तेमाल न करें।

### मेयर का यह कहना

केमिकलयुक्त पानी की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक तत्कालीन आयुक्त को करना था । पार्षदों ने सदन में मुद्दा उठाया हमने जांच कमेटी बनवाई। सभी प्रभावित वार्डों में टैंकर के माध्यम से पेयजल पहुंचा रहे हैं। बड़ी क्षमता की पानी टंकी का भी नर्मिण चल रहा है। जहां से उन वार्डों में पेयजल की समस्या दूर हो जाएगी। लोग खरीदकर पानी पी रहे हैं वह उनका स्वेच्छिक निर्णय है।

### केमिकलयुक्त पानी से प्रभावित वार्ड पार्षदों ने उठाया था इस तरह मुद्दा

मैनें सामान्य सभा में मुद्दा उठाया था। निगम की टीम ने जांच की लेकिन रिपोर्ट को सार्वजनिक नहीं किया। इसका मतलब साफ हैं कि पानी में टीडीएस इतना ज्यादा है कि उसे लोग पी नहीं सकते। इसके पहले भी 2019 में तत्कालीन आयुक्त ने यहां मौके पर पर्यावरण मंडल के साथ जांच की। जांच के बाद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए वार्ड के लोग पानी खरीदने मजबूर हैं।

**के जगदीश,** पार्षद वार्ड- 46

उद्योगों का केमिकलयुक्त पानी नालों के माध्यम से वार्ड में आ रहा है। बोर के आसपास केमिकल पानी जमा होता है। इसलिए बोर का पानी खराब हैं और उसे लोग पी नहीं सकते। लोग पानी का जार खरीदकर पीने मजबूर हैं। सामान्य सभा में इस मुद्दे का रखा लेकिन निदान नहीं हुआ और न ही कार्रवाई हुई।

**-विनोद सिंह** पार्षद वार्ड 42

केमिकलयुक्त पानी को लेकर निगम प्रशासन को शिकायत कर चुके। समस्या का निदान नहीं हुआ इसलिए लोग अपनी सुविधा के हिसाब से पानी खरीद कर पी रहे हैं।

**-सरिता देवी,** पार्षद 43

मेरे वार्ड के 10 बोर से काले रंग का पानी निकलता है। 12 साल से केवल खानापूर्ति हो रही है। भागीरथी नल जल योजना से अपने वार्ड के लोगों को पानी दे रहे हैं।

**-पी श्यामसुंदर राव,** पार्षद वार्ड 45

# कैनरा बैंक में 87 करोड़ का संदिग्ध लेनदेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

जिले की बैंकों में लगातार म्यूल खातों में करोड़ों रुपए के संदिग्ध लेनदेन के मामले प्रकाश में आ चुके है। जिसमें गिरफ्तारी भी पुलिस ने की है। लेकिन उसके बाद भी म्यूल खाते लोग बेखौफ तरीके से चला रहें है। वैशाली नगर पुलिस ने 111 खाता धारकों के खिलाफ धारा 317(2), 317(4) 318(4), 61(2)(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि 87 करोड़ रुपए से अधिक का खातों में ट्रांजेक्शन है। जिसकी शिकायत वैशाली नगर के केनरा बैंक मैनेजर ट्रांजेक्शन को चेक कर पुलिस में शिकायत करने पहुंचे। इस रकम को लेकर पुलिस ने

- **वैशाली नगर पुलिस ने की कार्रवाई**

जांच शुरू कर दी है। उक्त बैंक खातों में साइबर ठग की राशि का ट्रांसफर हुआ है। आनन-फानन में बैंक ने इन खातों की करीब 22 लाख रूपए की राशि ही होल्ड कर पाई है। जब तक उन्हें इन फ्रॉड के बारे में जानकारी लगी। रुपए ट्रांसफर होने वाले खाते सभी म्यूल खाते बताएं जा रहे है। फिलहाल पुलिस की जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि इन खातों में कहां-कहां से किसका पैसा ट्रांसफर किया गया है। गौरतलब हो कि इसके पूर्व दुर्ग रेलवे स्टेशन रोज पर स्थित कर्नाटका बैंक के खातों में भी 106 खाता धारकों का संदिग्ध लेने देन का मामला सामने आया था। जिसमें पुलिस ने कई खाता धारकों की गिरफ्तारी भी की थी। सीएसपी भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि बैंक मैनेजर की शिकायत पर पुलिस ने खातों में संदिग्ध लेनदेन करने वाले खाता धारकों के खिलाफ जुर्म दर्ज किया गया।

## दुर्ग जिले के नए एसपी विजय अग्रवाल ने कहा

# पुलिस व जनता के बीच दूरी कम करेंगे: अग्रवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶|भिलाई

2012 बैच के आईपीएस विजय अग्रवाल जल्द ही दुर्ग जिले के पुलिस कप्तान का पदभार ग्रहण करेंगे। हालांकि इससे पहले वह एडीशनल एसपी ट्रैफिक के पद पर जिले में काम कर चुके है। इस दौरान उन्होंने ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने का काम भी किया था। हालांकि उन्होंने पहले दुर्ग जिले की कानून व्यवस्था को नजदीकी से पहले देखा है। उनका कहना है कि बेसिक पुलसिंग पर काम किया जाएगा। साथ ही अपराधों पर अंकुश लगाने को लेकर दिशा निर्देशित भी करेंगे। एसपी विजय अग्रवाल का यह पांचवा जिला होगा। इसके पूर्व जशपुर, बलौदा बाजार, सरगुजा, जांजगिर में एसपी पद पर रह चुके है। जिले में बढ़ते अपराध, महादेव सट्टा,नशे का बडा कारोबार यहां चलता है। हालाकि पुलिस कार्रवाई करती रही है लेकिन नवागत एसपी विजय अग्रवाल रायपुर के रहने वाले है।

### अपराध और अपराधियों पर नकेल

नए एसपी विजय अग्रवाल के मुताबिक अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने बेहतर ढंग से काम किया जाएगा।शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को भी अपडेट किया जाएगा। पुलिस और जनता के बीच के दूरी को कम करने का खासा प्रयास किया जाएगा। पुलिस के पास पहुंचने वाली हर शिकायत गंभीरता पूर्वक लिया जाएगा। अपराध से जुड़े अपराधियों को नहीं बख्शा जाएगा।

## खबर संक्षेप

### निगम अवैध होर्डिंग -बैनर, पोस्टर निकाल रहा

**भिलाई।** नगर निगम भिलाई क्षेत्र में चौक चौराहों पर सड़क के बीच में लगे बिजली पोलों या सरकारी दीवारों पर अवैध होर्डिंग बैनर पोस्टर लगा दिए गए हैं। जिसके कारण शहर की सुंदरता खराब हो रही है। आंधी पानी चलने पर बैनर पोस्टर गिर जाते हैं। जिसके कारण कभी-कभी इससे बड़ी दुर्घटनाएं भी हो जाती हैं। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देश पर सभी जोन में अवैध बैनर पोस्टर होडिंग निकालने का कार्य चल रहा है। इसके साथ ही उन एजेंसी का नाम नोट किया जा रहा है, जिनके द्वारा बैनर पोस्टर लगाया जाता है। उन्हीं एजेंसियों को नोटिस जारी की जाएगी, उनके ऊपर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

## निधन

### वेदराम पटेल

**दुर्ग।** ग्राम निकुम पुरानी बस्ती निवासी वेदराम पटेल (40 वर्ष) पिता स्व. कृष्ण कुमार पटेल का शनिवार देर रात निधन हो गया। वे भूपेंद्र और लोमेश के पिता, ऊषा बाई पटेल के पति तथा सरपंच भगवत राम पटेल के छोटे भाई थे। उनका अंतिम संस्कार रविवार को निकुम के स्थानीय मुक्तिधाम में किया गया।

### महेन्द्र तिवारी

**भिलाई।** आशीष नगर डी/7 सड़क 3 रिसाली भिलाई निवासी महेंद्र तिवारी (74) का रविवार 20 अप्रैल को निधन हो गया। वे काफी समय से बीमार चल रहे थे। इनका अंतिम संस्कार रविवार दोपहर को रिसाली मुक्ति धाम में किया गया। वे सीए अभिषेक तिवारी और सॉफ्टवेयर इंजिनियर अनुराग तिवारी के पिता थे। वे अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गए।

### स्टोरेज के लिए बस्तर से बड़ी मात्रा में नांदगांव आता था तेंदूपत्ता

# बस्तर में संग्राहकों से सीधे सरकार खरीदेगी तेंदूपत्ता, नांदगांव के गोदाम रह जाएंगे खाली!

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

इस साल से प्रदेश सरकार ने तेंदूपत्ता खरीदी के नियमों में बदलाव कर दिया है। जिसके बाद अब बस्तर संभाग के सभी तेंदूपत्ता संग्रहकों से सरकार सीधे खरीदी करेगी। अब तक ठेकेदारों के जरिये यह खरीदी होती आई है। इस नए बदलाव के बाद राजनांदगांव शहर में स्थित तेंदूपत्ता गोदामों को बड़ा झटका लगा है। इस बदलाव के बाद जहां हर साल नांदगांव में छह लाख मानक बोरा तेंदूपत्ता स्टोर किया जाता था, इस बार इसका दस फीसदी स्टॉक ही आने की संभावना है।

ऐसे में जहां गोदाम संचालकों की आय पर असर पड़ेगा, वह इन गोदामों में बोरा उतारने, माल छटाई का काम करने वाले लगभग डेढ़ से दो हजार मजदूरों की आमदनी भी प्रभावित होगी। हालांकि सरकार केवल बस्तर संभाग में ही सीधे खरीदी करने वाली है। मोहला-मानपुर जिले में अब भी ठेकेदारों के जरिये ही यह खरीदी की जाएगी।

### डोंगरगांव गोदाम में जाएगा स्टॉक

मिली जानकारी के अनुसार इस बार भी मानपुर में तेंदूपत्ता की तोड़ाई की जाएगी, लेकिन उसका स्टोरेज नांदगांव की जगह डोंगरगांव में किया जाएगा। जबकि अब से पहले तक बस्तर संभाग में फड़ लेने वाले अन्य प्रदेशों के व्यापारी तेंदूपत्ता का राजनांदगांव में स्टोरेज किया करते थे। राजनांदगांव शहर में ही लगभग छह लाख मानक बोरा स्टोरेज की क्षमता है। इस साल संभावना जताई जा रही है कि इसका दस फीसदी ही तेंदूपत्ता स्टोरेज के लिए आ सकता है।

### सीधे खाते में आएगी राशि

बताया गया कि इस बार किए गए बदलाव के तहत इस साल उनके बैंक खातों में ऑनलाइन राशि अंतरित की जाएगी। इस साल तेंदूपत्ता संग्राहकों को प्रति मानक बोरा 5,500 रुपए की दर से भुगतान किया जाएगा। इससे पहले यह दर 4,000 रुपए थी। वहीं उक्त राशि का भुगतान कैशलेस किया जाएगा। इसके लिए सभी जिलों में अभियान चलाकर बैंक खाते खोले जा रहे हैं। सुदूर क्षेत्र में मोबाइल बैंकिंग के जरिये बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया भी चल रही है।

उल्लेखनीय है कि 2025 के नए नियमों के तहत सरकार ने तेंदूपत्ता खरीदी की पूरी जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली है। छत्तीसगढ़ में इस साल हरा सोना कहे जाने वाले तेंदूपत्ता की तुड़ाई सबसे पहले दक्षिण बस्तर में 20-25 अप्रैल से शुरू होगी। प्रथम चरण में सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा जैसे जिले से इसकी शुरूआत होगी। वहीं अंतिम चरण में 10 मई को सरगुजा में तेंदूपत्ता का संग्रहण किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेशभर में इसके लिए 13 लाख 50 हजार संग्राहक परिवारों का फैमिली कार्ड बनाया गया है। इसमें सभी का ब्यौरा दिया गया है। बता दें कि प्रदेश में धान की फसल के बाद तेंदूपत्ता की वृहद स्तर पर खरीदी होती है।

## पानी में डूबे तो मृत्यु निश्चित है, भक्ति में डूबे तो मुक्ति मिलेगीः पं. वरुण

हरिभूमि न्यूज ⏭ निकुम

ग्राम खुरसुनी में संगीतमय भागवत कथा के पांचवें दिन की कथा में भगवताचार्य पं. वरुण तिवारी ने कहा कि भक्ति के सागर में गोता लगाओ क्योकि इस संसार के मायाजाल के सागर में जल में व्यक्ति डूब जाये, तो मृत्यु निश्चित है, पर जीव हरिनाम संकीर्तन करें, धर्म का कार्य करें , भगवान की भक्ति में डूब जाये ,सतकर्म अच्छा करें तो इस मायानगरी से मुक्ति निश्चित है, क्योंकि कलयुग केवल नाम अधारा ,नाम जप ,परोपकार्य का बड़ा महत्व है, हरिसंकीर्तन ही मोक्ष की कुंजी है, जब-जब इस धरा पर पाप बढ़ता है, तब हरि अवतार होता है, घरों में बेटियों ,बुर्जुगों का आदर सम्मान करें , कंस ने अंहकार के कारण अपनी बहन देवकी का अनादर किया इसलिए उनका वध हुआ।

## सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति को मिलेः लोकमनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सेलूद

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आह्वान पर मोर दुआर साय सरकार अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आवास प्लस 2.0 में पात्र हितग्राहियों को शामिल करना है। इस अभियान के तहत सर्वेक्षण कार्य आज पाटन ब्लाक के ग्राम सावनी में हुआ। जिसमें मुख्य रूप से पार्टी संगठन द्वारा अधिकृत पूर्व मंडल अध्यक्ष उत्तर मंडल पाटन लोकमनी चंद्राकर उपस्थित थे। ग्राम के विभिन्न हितग्राहियों के घर जाकर सर्वे का कार्य किया गया। साथ हितग्राहियों से चर्चा कर सर्वे में आवास के लिए नाम जोड़ा गया। चंद्राकर ने उपस्थित सरपंच एव पंच प्रतिनिधियों को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंशानुरूप हर कच्चे मकान वाले को पक्का मकान दिया

- आवास प्लस 2.0 पात्र हितग्राहियों को मिले लाभ

जाना है। ऐसे हर गरीब एवं मध्यम वर्ग परिवार जिनके पास पक्का मकान नहीं है इस योजना के लाभ से वंचित न हो आप सभी इस बात का ध्यान रखे। साथ ही रोजगार सहायक को भी निर्देशित किया कि एक भी पात्र हितग्राही का नाम छूटना नहीं चाहिए, हमारी सरकार का प्रयास है कि इस महत्वकांक्षी योजना का लाभ वहां अंतिम छोर के व्यक्ति को मिले। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास ही हमारी प्रयास। इस अवसर पर सरपंच रामेश्वरी जांगड़े, सेवा सहकारी समिति सावनी अध्यक्ष रमाकांत यदु, बूथ अध्यक्ष विष्णु रिंगरी, उपसरपंच रामानंद चंद्राकर, हेमंत जांगड़े, राकेश यदु, जयपाल यदु पंच, रानी यदु पंच, राजेन्द्र चंद्राकर, प्रभात पटेल, अनिल पटेल, यशवंत पटेल, पार्वती पटेल, उखा पटेल, श्यामलाल पटेल, भूपेंद्र साहू रोजगार सहायक सहित शासकीय सर्वे टीम समेत भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## अंचल की खबरें

### औंसर पंचायत को बनायेंगे कुपोषण मुक्त

**सेलूद।** पाटन परियोजना के सेक्टर रानीतराई के अंतर्गत ग्राम औंसर में पोषण से पखवाड़ा दिवस मनाया गया। जिसमें जीवन के प्रथम 1000 दिवस के अवसर पर गर्भवती माताओं को एनीमिया से बचाव के लिए जानकारी दिया गया। माताओं को आयरनयुक्त हरी पत्तेदार सब्जी, फल, चना, गुड नियमित खाने के लिए सलाह दिया गया । साथ ही कुपोषित बच्चों को सरपंच प्रियालता महिपाल के द्वारा गुड़, चना, मूंगफली दिया गया और गर्भवती माताओं को नारियल से सम्मानित किया गया तथा स्वस्थ्य बच्चे का सम्मान भी किया गया।इस अवसर पर सरपंच ने ग्राम पंचायत को कुपोषण मुक्त पंचायत बनाने का संदेश दिया गया। आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को खीर पुड़ी भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में गांव के सरपंच प्रियालता महिपाल, पंचगण श्यामा भारती, रोशनी चतुर्वेदी, त्रिवेणी भारती, गजेन्द्र भारती, शैलेन्द्र टंडन,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, उत्तरा ठाकुर, पिंगला भास्कर, निर्मला भाण्डेकर, सनिता निर्मलकर, एवं मितानीन पार्वती भारती, सहायिका फुलेश्वरी ठाकुर, उर्मिला डहरिया, किशोरी, गर्भवती महिलाएं, ग्रामीणजन शामिल हुये।

### भानपुरी-2 में पोषण आहार के लिए दिए टिप्स

**अंडा।** आंगनबाड़ी केन्द्र भानपुरी-2 सेक्टर-हनोदा परियोजना- दुर्ग ग्रामीण के तहत पोषण पखवाड़ा और कुपोषण मुक्त पंचायत के तहत पालक बैठक रखा गया। इस आयोजन में सरपंच, उपसरपंच, पंच व परियोजना अधिकारी उषा झा, पर्यवेक्षक सोनल सोनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका मितानिन हितग्राही की माता-पिता गांव के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। पोषण आहार के बारे में बच्चों को किस तरह से खिलाये, कितना समय खिलाये, इस पर जोर दिया गया। बाहर का पैकट का चीज न खिलाये, घर की बनी समाग्री ही खिलाये, रेडी टू ईट का व्यजन बनाकर खिलाये। बच्चो और गर्भवती माता को भरपूर मात्रा में पोष्टिक आहार जिसमें हरा भाजी खासतौर पर मूंगा भाजी प्रतिदिन खिलाये और बच्चों का वजन पर चर्चा की गई।

### कुपोषित बच्चों को सरपंच ने लिया गोद

**सेलूद।** ग्राम छाटा के आंगनबाड़ी में पोषण पखवाड़ा का आयोजन किया गया। जिसमें ग्राम के सरपंच कमलेश चेलक मुख्य रूप से मौजूद रहे। महिला बाल विकास विभाग के पाटन परियोजना के सेलूद सेक्टर सुपरवाइजर तिलोत्तमा मोटघरे ने गर्भवती महिलाओं को पोषण आहार के बारे में विस्तार से जानकारी दिया। इसके अलावा उन्होंने किस आहार शरीर को क्या विटामिन मिलता है जिसकी जानकारी दी गई। सरपंच कमलेश चेलक ने गांव में जो कुपोषित बच्चे हैं उसको अतिरिक्त पोषण आहार देने का संकल्प लेते हुए कुपोषित बच्चों को गोद लिया। उन्होंने प्रत्येक मंगलवार को कुपोषित बच्चों को अपने तरफ से केला और दुध देने की घोषणा किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से संतोषी देवांगन, सरोज वर्मा, मंजू चेलक, नीता पटेल, सहायिका पिंकी, लक्ष्मी, यामिनी, मितानिन शीला साहू, भोजेश्वरी वर्मा, पंच परमानंद चंदेल, अलका, तीरथ उमा आदि मौजूद थे।

## बिजनेस साइट

### अंशुल होलसेल बाजार में मिल रही कम रेट में साड़ियां

**दुर्ग।** दुर्ग शहर के हृदयस्थल शनिचरी बाजार हार्डवेयर लाईन में दिलीप मेडिकल के सामने स्थित अशुल होलसेल बाजार साड़ी दुकान में मिल रही सुरत के रेट में साड़ियां एवं लहंगे। यहां मिल रही शादी में बांटने वाली कम कीमत की साड़ियां लोगों द्वारा खूब खरीदी जा रही है। यहां दुल्हन लायचा एवं फैंसी लायचा खरीदने लोग दूर-दूर से आ रहे है। लोगों का कहना है कि यहां साड़ियां एवं लहंगे कम कीमत में मिल रही है। यहां फैंसी एवं पार्टी वियर साड़ियां कम रेट में उपलब्ध रहती है। संस्थान ग्राहकों को फैशन के अनुरूप सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

### ओम ज्वेलर्स को ग्राहकों का मिल रहा बेहतर प्रतिसाद

**भिलाई।** शहर के हृदय स्थल इंदिरा मार्केट प्रिया श्रृंगार सदन के सामने शॉप नंबर 64बी में स्थित ओम ज्वेलर्स दुर्ग अपने ग्राहकों के हितों के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। जहां आपको मिलता है भारत सरकार द्वारा huid पास टोटल हॉलमार्क के गहनों का विशाल रेंज उपलब्ध है। जिसमें नये व पुराने ग्राहकों को 100 प्रतिशत संतुष्टी निश्चित होकर गहने खरीद सकते हैं। साथ ही गहनों मे टूट फुट की 2 साल की रिपेरिंग फ्री की सुविधा उपलब्ध है। मनपसंद कलात्मक जेवर, ग्राहकों के रुपयों के अनुरूप कम कीमत से ज्यादा क़ीमत पर एक से एक नई नई डिजाइन उपलब्ध रहता है, दिवाली व शादी विवाह के सीजन को देखते हुए लाइट वेट से अधिकतम वेट की ज्वेलरी में सोने के नेकलेस, झुमका, बाली, एरिंग टॉप्स, रानी हार, चोकर.चांदी में पायल कमरबंद, बाजूबंद बिछिया, ऑल सोने चांदी की एक से बढ़कर एक वैरायटियों का नई-नई डिजाइन का विशाल रेंज उपलब्ध है। वहीं दूल्हे दुल्हन के लिए खास टूर बैग, इम्पोर्टेन्ट वॉच, जितना सोना उतना चांदी फ्री ग्राहकों की तत्काल गिफ्ट दिया जाता है। क़ीमत भी सबसे कम चीप दर पर गहने प्रदान किया जा रहा है और भी विशेषताएं प्रदान की जाती है। जैसे अपने पुराने सोने को नये जैसे बनाए वो भी बिना नुकसान के बिना वजन कम हुए तत्काल, पुराने सोने चांदी की 100 प्रतिशत मूल्यों के साथ वापसी, पुराने सोने-चांदी का तत्काल रिपेरिंग, मंगलसूत्र गुथायी 0 चार्जेबल पर, किसी भी गोल्ड के गहने पर 100 प्रतिशत वापसी, हमारी संस्थान में किसी भी प्रकार के गहने, जेवरों का पेमेंट घर से करने की सुविधा उपलब्ध, सभी प्रकार की चेक स्वीकार किए जाते हैं, आल एटीएम, डेबिट, क्रेडिट कार्ड स्वीकार किये जाते हैं, भारत सरकार द्वारा प्रमाणित 916.(22c )833(20c)750(18c )टोटल हॉलमार्क की गहने की भरपूर रेंज उपलब्ध, हर दस हजार की खरीदी पर चांदी की मूर्ति फ्री, हमारी संस्थान ग्राहकों को अच्छी क्वालिटी व गुणवत्ता की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

### हेरिटेज कार्निवाल छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

**भिलाई।** हेरिटेज इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल दुर्ग में 'हेरिटेज कार्निवाल' का आयोजन किया गया। छात्रों ने इस अवसर पर अपनी विभिन्न प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सबका मन मोह लिया। विद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति और कला के महत्व पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। विद्यालय का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास में मदद करना है, जिसमें उनकी शैक्षिक, सांस्कृतिक और शारीरिक क्षमताओं का विकास शामिल है। अतः विद्यालय द्वारा छात्रों के लिए नृत्य, संगीत, नाटक, योगा, आइमन, टेड एड , पब्लिक स्पीकिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, फोटोग्राफी, क्वीज क्लब संचालित किए गए । छात्रों ने अपनी रूचि के अनुसार क्लब का चयन किया और कार्निवाल में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन अपने अभिभावकों के समक्ष किया। जिसे अभिभावकों द्वारा बहुत सराहा गया। अभिभावकों के लिए भी क्रिकेट मैच आयोजित किया गया, जिसमें अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर विद्यालय के निर्देशक बृजमोहन उपाध्याय, प्राचार्या दीप्ति तिवारी, एकेडमिक कोऑर्डिनेटर हरबिंदर कौर संधु और वेदप्रकाश बाजपेई उपस्थित थे।

### कांग्रेसियों ने कुम्हारी टोल प्लाजा को बंद करने की मांग

## वाहन चालकों को दिया गुलाब, मांगा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुम्हारी

कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कुम्हारी टोल नाका को भाजपा का गब्बर सिंह टैक्स वसूली केंद्र बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग भारत सरकार द्वारा सड़कों के निर्माण लागत तथा इसकी देखरेख के व्यय की भरपाई के लिए जगह-जगह पर टोल प्लाजा स्थापित किये गए हैं। कुम्हारी टोल भी इसी उद्देश्य से स्थापित किया गया था। उपाध्याय ने कहा कि केन्द्रीय परिवहन मंत्री ने कहा था कि साठ किलोमीटर के अन्तर्गत एक टोल प्लाजा स्थापित किया जाएगा, और जिस टोल प्लाजा से सड़क निर्माण की लागत पूर्ण रूप से वसूल हो जाएगी उसे बन्द कर दिया जायेगा। चूंकि सड़क निर्माण की लागत पूर्ण रूप से सरकार टोल के माध्यम से वसूल कर चुकी है। अब यह अतिरिक्त वसूली अवैध है जिसे तत्काल प्रभाव से बंद किया जाए।

टोल के आसपास दोनों तरफ के नगर का और गांव के लोगों का घर एक तरफ तो दूसरी तरफ खेत होता है। कुछ अपने काम के लिए इस

- पूर्व विधायक विकास उपाध्याय के नेतृत्व में किया प्रदर्शन

शहर से दूसरे शहर आना-जाना करते हैं और उनका टोल टैक्स नहीं लिया जाना चाहिए,लेकिन यहां पर टोल नाके पर स्कैनर लगाकर टैक्स वसूला जाता है जिससे लोगों को फास्ट ट्रैक के माध्यम से उनका पैसा अपने आप कट जाता है जो कि अनुचित है।

### टोल से गुजरने वाले वाहन चालकों को दिया गुलाब

सैकड़ों समर्थकों के साथ बैनर पोस्टर लेकर विकास उपाध्याय दोपहर 12 बजे टोल प्लाजा पहुंचकर नारेबाजी करते हुए अवैध वसूली बन्द करने की मांग रखी। टोल से गुजरने वाले वाहन चालकों को गुलाब का फूल देकर इस मांग का समर्थन मांगा। यहां के प्रभारी कार्यकर्ताओं को भी बेशरम फूल देते हुए केंद्रीय परिवहन मंत्री के पोस्टर पर बेशरम फूल पहनाकर आक्रोश जताया। प्रदर्शनकारियों की भीड़ से आवागमन कुछ देर के लिए बाधित हुआ। स्थानीय पुलिस और सुरक्षा बलों की तत्परता से कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। स्थानीय टोल प्लाजा मैनेजर दिलीप सिंह ने बताया कि कांग्रेसी नेता की मांग की जानकारी सम्बंधित एनएचआई कार्यालय को भेज दी गई है इस विषय में आदेशानुसार कार्य किया जायेगा।

# ब्राजील से आया गिरलैंडों प्रजाति के सांड का 5 सौ डोर फ्रोजन सीमन

आलोक तिवारी ⏭ दुर्ग

देश में पहली बार इंम्पोर्टेट सीमन विदेश से लाया गया है। जो अब तक का सबसे महंगा सीमन है। कुछ दिनों पहले ही इसे ब्राजील से हवाई मार्ग के रास्ते चेन्नई और फिर वहां से छत्तीसगढ़ के दुर्ग वीर्य संग्रहाल में सुरक्षित रखा गया है। यह फ्रोजन सीमन है। जिसे लिक्वीड नाइट्रोजन में सुरक्षित रखा गया है। यह सीमन ब्राजील के गायों के नस्ल गिरलैंडो प्रजाति के सांड का सीमन है। जो बेहद खास है। यह अब तक का सबसे महंगा सीमन है। ऐसे तो सामान्य सांडों के सीमन की कीमत 30 रुपए प्रति डोज से लेकर 80 रुपए तक होती है। सेक्ट शॉर्टेज सीमन की कीमत 639 रुपए है। लेकिन गिरलैंडो के सीमन के प्रति डोज की कीमत करीब 1384 रुपए है। 500 डोज केंद्र सरकार ने ब्राजील से मंगाकर छत्तीसगढ़ को दिया है। इस सीमन से प्रदेश के गिर प्रजाति के गायों को कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से गर्भवती गिरलैंडों प्रजाति के बच्चे का जन्म कराया जाएगा। ताकि यह प्रजाति हमारे यहां भी हो और इसकी संख्या बढ़े। ताकि आने वाले वर्षों में प्रदेश में बढ़ती दूध की मांग को पूरा करने के लिए दूध उत्पादन को बढ़ाया जा सकें।

## नस्ल सुधारने के बाद गाय से लिया जा सकता है एक दिन में 80 लीटर तक दूध

### जानिए गिरलैंडो प्रजाति के गाय की खासियत

प्रजाति पर ब्राजील के वैज्ञानिकों ने वर्षों तक शोध किया। कई जैनेटिक परिवर्तन किए। इससे एक नई प्रजाति तैयार किए। जिसका नाम गिरलैंडो रखा गया। यह गाय ठंड, गर्मी, बारिश सभी मौसम में अपने आप को ढाल लेते है। इनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता अच्छी होती है। जल्दी बीमार नहीं पड़ते और सबसे खास बात यह एक दिन में 80 लीटर तक दूध देती है। इसलिए केंद्र सरकार ने इस प्रजाति के सांड का सीमन भारत लाया है।

### भारत की गिर से ही गिरलैंडो बना

वीर्य संग्रहालय के डायरेक्टर डॉ संजीव सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि भारत के गिर नस्ल की गाय आजादी से पहले ब्राजील भेजी गई थी। गिरोलेंडो गाय ब्राजील की हॉलिस्टन और गिर की मिक्सब्रीड है। जो संभवता विश्व की सबसे ज्यादा दूध देने वाली गायों में से एक है। दुर्ग सहित छत्तीसगढ़ में देशी (कोसली), एचएफ, गिर, जर्सी, साहीवाल आदि प्रजाति है। लेकिन यह सब इतना दूध नहीं देती। हालाकि यहां इनता दूध उत्पादन के लिए देख-रेख और खान-पान में भी ध्यान देना होगा। जब गिर ब्राजील पहुंची तो वहां के वैज्ञानिकों ने अपनी हॉलिस्टन नस्ल के साथ मिलाकर गिरोलेंडो नस्ल को तैयार किया। कुछ जैनेटिक परिवर्तन भी किए। जिससे यह गाय सबसे ज्यादा दूध देने वाली गाय बन गई।

### सांड लाने से अच्छा वीर्य ला रहे

वीर्य संग्रहालय के डायरेक्टर डॉ. संजीव सहस्त्रबुद्धे ने बताया कि सांड लाएंगे तो ज्यादा परेशानी है। उसे लाने के बाद उसकी देख-रेख और फिर बच्चे पैदा कराना कठिन काम है। इसलिए सरकार ने फ्रोजन सीमन लाने की योजना बनाई है। इससे एक बार में ही कृत्रिम गर्भाधान करके सैकड़ों गायों को गर्भवतिकर कई बच्चे पैदा करवा सकते हैं। किसी भी प्रजाति को पूरी तरह से बनने में 7 पीढ़ी लग जाता है। फ्रोजन सीमन आएगा। उसे लैब में लिक्विड फाम में बदलेंगे। फिर उसे जिस गाय को प्रेगनेट करना होगा, उसमें मशीन से कृत्रिम गर्भाधान करवाएंगे। इससे जो बच्चा जन्म लेगा, उसमें दोनों प्रजाति का 50-50 प्रतिशत गुण होगा। यह बड़ी होगी तो उसमें फिर प्रयोग करेंगे। ऐसा करते-करते 7 पीढ़ी में जो बच्चा जन्म लेगा वह पूरी तरह से गिरलेंडो होगा।

## खबर संक्षेप

### मई से 1000 रुपए चार्ज एवं 15 प्रतिशत पेनाल्टी

**दुर्ग।** 2024-25 का संपत्ति कर करदाता ऑनलाइन या टैक्स काउंटर निगम कार्यालय में जाकर टैक्स जमा कर सकते हैं। अंतिम 10 दिन शेष है। 1 मई से 1000 पैनल चार्ज एवं 15 प्रतिशत पेनाल्टी लगेगा। आयुक्त ने कहा कि अवकाश पर भी टैक्स काउंटर खुले रहेंगे। नगर निगम के संपत्ति कर विभाग ने बकायेदारों से वसूली के लिए सख्त कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। बड़े बकायेदारों पर सख्त कार्रवाई हो सकती है। राजस्व अधिकारी राजकमल बोरकर एवं सहायक राजस्व अधिकारी शुभम गोइर बताया कि कर न भरने वाले सभी बकायेदारों को चिह्नित किया जा चुका है और उन्हें टेलीफोन एवं सहायक राजस्व निरीक्षकों के माध्यम से सूचित किया जा रहा है। समय पर बड़े संपत्ति कर का भुगतान नहीं करते, तो नगर निगम नियमानुसार सख्त कार्रवाई करेगा। इसमें जुर्माने की राशि के साथ ब्याज, निगम की ओर से नोटिस और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई के अलावा कानूनी कार्रवाई की संभावना भी शामिल हैं।

### मिनी सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 3 मई से

**दुर्ग।** जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा कृष्णा विकास टेक्नो स्कूल के सहयोग से 3 एवं 4 मई को कृष्णा विकास टेक्नो स्कूल धमधा रोड में दो दिवसीय जिला स्तरीय मिनी सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 2025 का आयोजन किया गया है। जिसमें अंडर 7, 9, 11 एवं अंडर 13 के शतरंज खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि उक्त चैंपियनशिप अंतराष्ट्रीय नियम के अनुसार खेली जाएगी। उक्त चैंपियनशिप के अंडर 7, 9, 11 एवं अंडर 13 के दो बालक एवं दो बालिकाओं का चयन राज्य चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा जो 15 से 19 मई तक एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल बेमेतरा में आयोजित है। उक्त चैंपियनशिप के सभी आयु समूह वर्गों के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं तीसरे एवं चौथे स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मोमेंटो प्रदान किया जाएगा। जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष दिनेश जैन, ललित वर्मा, एस के भगत, दिनेश नलोडे, मोरध्वज चंद्राकर, अजय राय अन्य सहयोग कर रहे हैं।

## विडंबना : सात गांव को मिलाकर चल रहा समूह जल योजना का कार्य

# समूह जल योजना का कार्य एक साल पीछे, गहराएगा जलसंकट

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जल जीवन मिशन के तहत ऐसे सात गांव जहां जल स्त्रोत नही होने के कारण नदी से इंटकवेल बनाकर पानी लाने की योजना थी। लेकिन एक साल देरी होने के कारण सात गांव के तीन सौ से अधिक घरों में पेयजल की संकट होगी। इस प्रोजेक्ट को 2024 दिसंबर में पूरा किया जाना था। लेकिन पूरे एक साल देरी होने के कारण इस गर्मी ग्रामीण पेयजल के लिए तरसेगें।

पीएचई विभाग का दावा है कि, वर्ष 2025 दिसंबर माह में प्रोजेक्ट पूरा कर लिया जाएगा। जबकि इस प्रोजेक्ट को 2024 दिसंबर में पूरा कर लिया जाना था। विगत दिनों कलेक्टर अभिजीत सिंह ने समूह योजना का निरिक्षण कर धीमी गति से चल रहे प्रोजेक्ट को लेकर जमकर फटकार लगाई थी। जिसके बाद पीएचई विभाग द्वारा दो फर्म को नोटिस भी जारी किया था। जानकारी अनुसार समूह जल योजना में सात गांव शामिल है। यहां के करीब ढाई सौ से अधिक घर लाभान्वित होगें। ग्रामीणों को इस बात की उम्मीद थी कि, इस साल नदी से पानी का प्रोजेक्ट पूरा हो जाएगा और उन्हें गर्मी में पानी के लिए भटकना नही पडेगा। लेकिन प्रोजेक्ट एक साल देरी से शुरू की गई।

**खास बातें**

- सात गांव में ढाई हजार से अधिक आबादी होंगे प्रभावित
- इस साल गांव में भीषण जल संकट, टैंकरों से हो रही सप्लाई
- जल जीवन मिशन का बुरा हाल, वर्ष 2019 में हुआ था शुरू

## तीन सौ करोड़ रूपए से अधिक की लागत से बन रहा इंटकवेल

### गांवों की गलियों में पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी अधूरा

जानकारी अनुसार डीआई पाइप नदी के इंटकवेल से गांव के पानी टंकी तक बिछेगी। वहीं पीवीसी पाइप टंकी से घरो तक जाएगी। बहरहाल नदी के इंटकवेल से गांव में बने पानी टंकी तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य भी पूरा नही हुआ है। जानकारी अनुसार निकुम में इंटकवेल से टंकी में डीआई पाइप बिछाने का काम सिर्फ 35 फीसदी व पीवीसी 55 फीसदी किया गया है। वहीं सिरसाखुर्द भटगांव समूह में तीस फीसदी व पीवीसी 80 फीसदी, चंद्रखुरी कोलहापुरी पीसेगांव में साठ फीसदी व पीवीसी चालीस फीसदी, अंजोरा ढाबा में सौ फीसदी व पीवीसी 100 फीसदी, मतीमपुर में 80 फीसदी व पीवीसी 90 फीसदी, ओदरागहन सुरपा में और कौही रानीतरई में दोनो पाइप बिछ गया है।

### आदेश जारी होने के एक साल बाद शुरु हुआ योजना का काम

जानकारी अनुसार समूह जल योजना को लेकर कार्यदेश अक्टूबर 2023 में जारी हो चुका था। लेकिन ड्राईंग डिजाइन बनाने में देरी होने के कारण यह कार्य अप्रैल 2024 में शुरू किया गया। नदी से इंटकवेल कार्य में निकुम में 44 फीसदी कार्य हो सका है। वहीं जेवरा सिरसाखुर्द भटगांव में 45 फीसदी, चंद्रखुरी कोलिहापुरी पीसेगांव में 40 फीसदी, अंजोरा ढाबा 72 फीसदी, मोतीपुर 65 फीसदी और ओदरागहन सुरपा 65 और कौही रानीतरई में 45 फीसदी ही कार्य हुए है।

### नल कनेक्शन देने का काम भी अधूरा

समूह नल जल योजना के अलावा लोगों को घर में नल कनेक्शन देने का कार्य भी अधूरा है। वर्ष 2024-25 में 40 घरों को नल कनेक्शन देने का टारगेट रखा गया था, लेकिन साल बीतने के बाद भी 18 हजार घरों में नल कनेक्शन नहीं लग पाया है। इस तरह जिले में जल जीवन मिशन के तहत सिंगल विलेज प्रोजेक्ट का कार्य भी पूरा नहीं हो पाया है। जिले में अभी भी डेढ़ सौ से अधिक पानी टंकियां का निर्माण नहीं हो सका है।

### नोटिस जारी

कलेक्टर सर के निर्देश पर धीमि गति से कार्य करने वाले ठेकेदारों को नोटिस जारी किया गया है। प्रोजेक्ट को आगामी 2025 दिसंबर तक पूरा करना है।
**-उत्कर्ष पांडे,** ईई पीएचई विभाग दुर्ग

# आत्मानंद स्कूल में लॉटरी सिस्टम से मिलेगा एडमिशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में बच्चों का दाखिला दिलाने के लिए पालकों को समय सारिणी जारी होने का इंतजार था। सत्र 2025-26 में छात्र-छात्राओं के प्रवेश के लिए सेजेस पोर्टल 10 अप्रैल से प्रारंभ हो गया है। जिसे लेकर लोक शिक्षण संचालनालय से सूचना जारी कर दी है। सत्र 2025-26 में 403 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी तथा 348 स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय संचालित है। सत्र 2025-26 में प्रदेश के इन स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम विद्यालयों की प्रक्रिया की जानी है। आवेदन के बाद लॉटरी व सीट आवंटन की 6 से 10 मई तक होगी।

- आवेदन प्रक्रिया 10 अप्रैल से हो चुकी है शुरू

सभी स्कूलों में प्रवेश के लिए आवेदन इसी तारीख से मंगाए गए हैं। 5 मई तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इसके बाद 6 से 10 मई तक प्रवेश के लिए लॉटरी, 11 से 15 मई तक प्रवेश दिए जाएंगे। ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। गाइडलान के अनुसार एक छात्र का आवेदन एक स्कूल में हो सकेगा। बीपीएल और आर्थिक रूप से कमजोर पालकों के बच्चों को रिक्त सीटों के 25 प्रतिशत सीटों के विरूद्ध प्रवेश दिया जाएगा। पालकों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा। सभी स्कूलों में पहली में प्रवेश के लिए बच्चों की उम्र साढ़े 5 से साढ़े 6 साल के बीच होनी चाहिए। कक्षा-1 में प्रवेश के लिए उम्र की गणना 31 मई 2025 के आधार पर

### महतारी दुलारी योजना के बच्चों को मिलेगा लाभ

एडमिशन में कोरोना की वजह से अनाथ हुए बच्चों को महतारी दुलार योजना के तहत विशेष प्राथमिकता से प्रवेश दिया जायेगा। प्रवेश हेतु आवेदन पत्र के साथ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (**CMO**) द्वारा जारी पालक का मृत्यु प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालयों में से कन्या विद्यालयों को छोड़कर शेष विद्यालयों मे सह शिक्षा होगी तथा इनकी प्रत्येक कक्षा में रिक्त सीट का 50 प्रतिशत छात्राओं का चयन किया जायेगा। बालिकाओं की पर्याप्त संख्या नही मिलने पर बालकों से सीट भरी जा सकेगी।

### 31 मई 2025 से होगी उम्र की गणना

पालकों को सक्षम अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा। कुल रिक्त सीटों के 25 प्रतिशत सीटों पर आवेदक बच्चों का चयन भी लॉटरी सिस्टम से किया जाएगा। कम्प्यूटर के माध्यम से रेंडमली चयन किया जायेगा। रिक्त सीटों पर अधिक संख्या में आवेदन आने पर लॉटरी से ही चयन किया जाएगा। स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूलों में क्षमता के अनुसार छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश कक्षा 6 वीं से 9वीं में सोसाइटी के निर्णय के अनुसार लिए जाएंगे। डीईओ मोहन राव सावंत ने बताया कि स्वामी आत्मानंद स्कूलों में प्रवेश के लिए समय सारिणी जारी कर दी गई है। 10 अप्रैल से आवेदन लिए जाएंगे।

# नशा मुक्ति, बालिका शिक्षा व सुरक्षा पर निकाली जन जागरुकता रैली

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

दुर्ग शहरी परियोजना अंतर्गत परिक्षेत्र को परियोजना दुर्ग शहरी अंतर्गत सेक्टर उरला में जन जा ग रू क ता कार्यक्रम एवं रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वार्ड 57के पार्षद सरस कुमार निर्मलकर एवं वार्ड 58 की पार्षद श्रीमती रेशमा सोनकर आईसीपीएस एवं चाइल्ड लाइन से आशीष कुमार साहू, जय पटेल एवं सीता कन्नौजे, समाज सेवी जयवर्धन व विनीत चौरे, महिला बाल विकास से पर्यवेक्षक सीपी चंद्राकर, हुमेश्वरी चौरे मौजद रहे। वार्ड 57 के पार्षद सरस कुमार निर्मलकर द्वारा नशा मुक्ति एवं बालिका शिक्षा, रेशमा सोनकर द्वारा बालिका शिक्षा एवं बालिका सुरक्षा पर उद्बोधन दिया गया। आईसीपीएस एवं चाइल्डलाइन द्वारा बाल विवाह की रोकथाम बालिका शिक्षा पोक्सो एक्ट के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में शपथ दिलाई गई। पश्चात क्षेत्र में रैली निकालकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया गया।

- पॉक्सो एक्ट की दी गई जानकारी

## लोककला मंच की वार्षिक आमसभा आज

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

क्षेत्रीय लोक कलाओं को समृद्ध करने की दृष्टि से पद्मश्री स्व. पूना राम निषाद द्वारा गठित लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी की वार्षिक आम सभा का आयोजन 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे स्व. पुनाराम निषाद स्मृति संस्कृतिक भवन में किया गया है। अध्यक्ष राज कुमार पांडेय के निर्देश पर आयोजित वार्षिक आमसभा में सदस्यों की उपस्थिति, वार्षिक कार्यक्रम की रूपरेखा, आय-व्यय लेखा सहित सदस्यता बढ़ाने और वर्षभर के कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने की दृष्टि से रखी गई है। विरेन्द्र निषाद ने बताया कि लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी द्वारा विलुप्त होती खड़ी साज नाच सहित क्षेत्रीय लोक वाद्यों के निर्माण की कार्यशाला भी आयोजित करने की अपील की गई है। इसमें सचिव रोहित निषाद, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश निषाद सहित सभी पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

# ग्राम पंचायत सचिवों की हड़ताल स्थगित होने के बाद आज से शासकीय कार्यों को मिलेगी गति

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

मोदी की गारंटी के अनुसार ग्राम पंचायत सचिवों के शासकीयकरण की मांग को लेकर 17 मार्च से प्रदेशभर में सचिव आंदोलनरत थे। राज्य सरकार और सचिव संघ के बीच हुई बातचीत में फौरी तौर पर यह तय हुआ है कि फरवरी 2026 तक सचिवों के शासकीयकरण की मांग पर निर्णय कर लिया जाएगा। हड़ताल अवधि के दौरान रोके गए वेतन को भी तत्काल जारी किया जाएगा। दो पक्षों के बीच बातचीत के बाद 21 अप्रैल को प्रदेशभर में सचिव जिला पंचायत में अपनी उपस्थिति देकर कार्य प्रारंभ करेंगे।

- आज देंगे जिला पंचायत में अपनी उपस्थिति

### 29 विभागों के 200 कार्यों को मिलेगी गति

सरकार से बातचीत के बाद सोमवार 21 अप्रैल को प्रदेश के सभी सचिव अपने अपने जिला पंचायतों में उपस्थिति दर्ज कराकर काम शुरु करेंगे।पंचायतों के निर्वाचित सरपंचों को अब प्रभार भी मिल पाएगा। पंचायतों के बैंक खातों का संचालन भी हो पाएगा। डीएससी, 15वें वित्त जीपीडीपी, प्रधानमंत्री आवास योजना, जन्म-मृत्यु, विवाह पंजीयन, आय-जाति, निवास प्रमाण पत्र, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, नल-जल, मनरेगा सहित 29 शासकीय विभाग के लगभग 200 कार्य अब जाकर शुरु होंगे। जो आंदोलन की वजह से प्रभावित हुए थे।

### इन मुद्दों पर बनी सहमति

सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, विभागीय सचिव भीमसिंह, संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास प्रियंका ऋषि महोबिया ने प्रदेश पंचायत सचिव संघ के प्रांताध्यक्ष उपेंद्र सिंह पैकरा व पदाधिकारियों से चर्चा की। सहमति के अनुसार पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा गठित कमेटी द्वारा जनवरी 2026 तक अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत कर पंचायत सचिवों का शासकीयकरण किया जाएगा। शासकीयकरण से पहले पूर्व में जारी आदेश में निर्देशित चिकित्सा व्यय क्षतिपूर्ति के लिए अलग से मार्गदिर्शका जारी की जाएगी। वर्तमान में 15 वर्ष सेवा पूर्ण करने पर हो रहे वेतन सत्यापन विसंगति को सुधारा जाएगा। इसके अलावा आंदोलन अवधि के वेतन की स्वीकृति सरकार तत्काल प्रदान करेगी।

### बन गई है सहमति, आंदोलन स्थगित

राज्य सरकार की पहल पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, विभागीय सचिव भीमसिंह व संचालक पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया से सचिव संघ के प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारियों ने चर्चा की। चर्चा में सहमति के बाद आंदोलन को स्थगित किया गया है। 21 अप्रैल को पंचायत सचिव जिला पंचायत में उपस्थिति दर्ज कराकर अपना विधिवत काम शुरु करेंगे।
**-महेंद्र कुमार साहू,** कार्यकारी अध्यक्ष
प्रदेश पंचायत सचिव संघ

## विधायक गजेंद्र शहर में निकले मार्निंग विजिट करने

# धमधा रोड रोड की दशा में होगा सुधार

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

विधायक गजेन्द्र यादव मॉर्निंग विजिट में सिकोला वार्ड पहुंचे और जनता से भेंट मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुने इस दौरान वार्ड में होने वाले विकास कार्य के स्थल का निरीक्षण किया। बरसात के सीजन में सड़क खराब होने की समस्या का निराकरण करते हुए सालों से उनकी लंबित मांग को पूरा किए। शहर के सभी वार्डों में सड़क, नाली को दुरुस्त करने कार्य प्रगति पर है। पार्षद युवराज कुंजाम ने बताया की ट्रांसपोर्ट नगर की सड़क सालों से खराब है, इसके कारण बरसात में आवागमन में परेशानी होती है, गड्ढों में बरसाती पानी भरने से दुर्घटना भी हो चुकी है। विधायक गजेन्द्र यादव ने इसे संज्ञान में लिए और शासन से सड़क बनाने स्वीकृति दिलाने पर नागरिकों ने उनका आभार जताया।

- नागरिकों ने बताई समस्याएं

विधायक गजेन्द्र यादव ने धमधा रोड स्थित सिकोला वार्ड के ट्रांसपोर्ट नगर में सड़क बनाने और मुख्य मार्ग के दोनों ओर नाली निर्माण कार्य के लिए स्थल निरीक्षण किया। पीडब्लूडी के इंजिनियर को स्वीकृत कार्य को शीघ्र प्रारंभ करने निर्देश दिए। ताकि बारिश पूर्व सड़क दुरुस्त हो सके। इससे क्षेत्र में बरसात के समय जलभराव की समस्या दूर होगी और आवागमन भी सुगम बनेगा। इस अवसर पर पार्षद कांशीराम कोसरे, मनोज सोनी, युवराज कुंजाम, खिलावन मटियारा, रेशमा सोनकर, ललिता ठाकुर, पूर्व पार्षद नरेश तेजवानी, मंडल अध्यक्ष मनमोहन शर्मा, गोलू सोनकर आदि मौजूद रहे।

### श्रमिकों से किया मुलाकात

सिकोला वार्ड पहुँचे विधायक गजेन्द्र यादव को देख बड़ी संख्या में उपस्थित श्रमिक उनके पास पहुंच गए। आत्मीयता से उनसे मुलाकात कर अपनी बात रखी। विधायक ने उनसे कामकाज की जानकारी लिए और उनसे संबंधित शासन की योजनाओं की जानकारी देकर लाभान्वित होने कहा। उनके द्वारा की गई मांग को जल्द ही पूरा करने आश्वासन दिए।

## बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

**दुर्ग।** बहुजन समाज पार्टी द्वारा भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134 वी जयंती व बहुजन समाज पार्टी की 41 स्थापना दिवस समारोह का आयोजन सतनाम भवन खोपली में किया गया। दुर्ग जिला इकाई के अध्यक्ष दीपक चंद्राकर के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संतों गुरूओं व महापुरूषों के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किया गया तथा बाबा साहब के जीवन दर्शन बताए गए। उनके अधूरे कारवां को बीएसपी के माध्यम से पूर्ण करने का संकल्प लेकर उनके विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जिले के कार्यकर्ता, पदाधिकारी व बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थीं।

HEALTH TOWN
अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
ऑपरेशन द्वारा ईलाज
नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
दांतो की नसों का इलाज
दांतों की सफाई व चमकाना
दंत प्रत्यारोपण
मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

# बीएसपी के एसएमएस-3 में लैडल फर्नेस ट्रांसफर कार के निर्माण से बचेंगे करोड़ों रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के स्टील मेल्टिंग शॉप-3 में लैडल फर्नेस ट्रांसफर कार का आतंरिक संसाधनों से निर्माण कर एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि हासिल की गई है, जिससे प्रति कार बड़ी लागत की मत्वपूर्ण बचत सुनिश्चित हुई है।

एसएमएस-3 में तीन बेसिक ऑक्सीजन फर्नेस (कन्वर्टर) हैं, जिनमें हॉट मेटल को परिष्कृत कर स्टील में परिवर्तित किया जाता है।

## इनका रहा योगदान

मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार के नेतृत्व में शॉप एसएमएस-3 ने मुख्य महाप्रबंधक बीके बेहेरा के अनुमोदन एवं इंजीनियरिंग डिवीजन (ईडीडी) के तकनीकी परामर्श से इस ट्रांसफर कार का आतंरिक संसाधनों से निर्माण करने का निर्णय लिया। मौजूदा लैडल कार की ड्रॉइंग को विकसित कर रिवैम्पिंग सेल में इसकी बॉडी तैयार की गई और मशीन शॉप की सहायता से इसका यांत्रिक निर्माण संपन्न हुआ। 15 अप्रैल को इस आतंरिक संसाधनों से रूप से निर्मित लैडल ट्रांसफर कार का उद्घाटन मुख्य महाप्रबंधक प्रमोद कुमार द्वारा किया गया। इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन में महाप्रबंधक एचके सचदेव, महाप्रबंधक नाबर्शी रॉय, वरिष्ठ प्रबंधक प्रमोद कुमार, सहायक महाप्रबंधक गीतेश देवांगन, महाप्रबंध त्रिभुवन बैठा, श्री पी. सतपथी संजीव कुमार मिश्रा, अजित नारायण, वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक झा, सहायक महाप्रबंधक किरण कुमार, महाप्रबंधक डीके वार्ष्णेय, सहायक महाप्रबंधक केके तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक आशुतोष सिंह, सहायक प्रबंधक लक्ष्मी नारायण रेड्डी, सहायक महाप्रबंधक मुनीम खान, तथा प्रबंधक गौरव पटेल सहित एसएमएस-3 के अन्य अधिकारियों का योगदान रहा।

कन्वर्टर से टैप किए गए तरल स्टील को ट्रांसफर कारों के माध्यम से स्टील लैडल्स में डालकर सेकेंडरी रिफाइनिंग यूनिट में भेजा जाता है। इसमें तीन लैडल फर्नेस में उसका अंतिम रिफाइनिंग कर उच्च गुणवत्ता का स्टील उत्पादित किया जाता है। प्रत्येक लैडल फर्नेस के लिए एक समर्पित ट्रांसफर कार है, जिसकी भार क्षमता 80 मीट्रिक टन है। चूंकि एसएमएस-3 के पास कोई अतिरिक्त लैडल ट्रांसफर कार उपलब्ध नहीं थी।

## खबर संक्षेप

### योगदान को बताया सराहनीय

**भिलाई।** संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती मेला अंबेडकर प्रतिमा चौक पावरहाउस में संपन्न हुआ। सांसद विजय बघेल, पूर्व मंत्री विधानसभा अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडे, वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन, भिलाई नगर के विधायक देवेंद्र यादव , पूर्व विधायक सांवलाराम डाहरे पूर्व विधायक, संभाग आयुक्त महादेव कावरे, जांच आयोग आयुक्त दिलीप वासनिकर, अध्यक्ष सुनील रामटेके, सर्व दलीय प्रतिनिधि, कलाकार और संस्था के पदाधिकारी शामिल हुए। विभिन्न स्थानों से निकली रैली अंबेडकर चौक पर समाप्त हुई। यहां सभा में मुख्य वक्ताओं ने बाबा साहब के संविधान और देश में योगदान को सराहनीय बताया।

### रेलवे कर्मी के मकान का ताला टूटा

**भिलाई।** सूने मकान का ताला तोड़कर टेक्निशियन के मकान से सोना चांदी के जेवरात और नगदी पार करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 305 (ए), 331 (4) के तहत जुर्म दर्ज किया है। नेवई पुलिस ने बताया कि टंकी मरोदा गणेश चौक निवासी मनोज कुमार कोठारी रेल्वे में टेक्नीशियन पद पर कार्यरत है। मकान में ताला जड़कर परिवार समेत ससुराल रायपुर घुमने गए थे। पडोसी संजू सारजा ने कॉल कर सूचना दी कि मकान का ताला टूटा पड़ा मिला है। वापस घर पहुंचने पर देखा सारा सामान बिखरा पड़ा मिला है। मकान से सोना चांदी के जेवरात, टीवी, लेपटॉप,गुल्लक में रखे नगदी रकम चोरी हो गया। उक्त सामनों की कीमत 60 हजार रपए आंकी गई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। शहर में लगातार चोरी की वारदात हो रही है। पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह फेल हो गई है। आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

### आरटीई पोर्टल में तकनीकी सुधार से डुप्लीकेट आवेदनों पर अंकुश, 25 हजार फार्म कम भरे

# आरटीई से दाखिले के लिए स्कूलों में100 गुना ज्यादा आवेदन, इस बार कड़े नियम

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

अनिवार्य व निःशुल्क बाल शिक्षा अधिकार के तहत निजी स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन करने का पहला चरण पूरा हो गया है। दुर्ग सहित पूरे प्रदेश भर में 54 हजार 300 सीटों के लिए आवेदन मांगे गए। इस चरण में सबसे अहम बात यह रही कि डुप्लीकेट आवेदनों पर अंकुश लगा। पिछले साल की अपेक्षा प्रदेशभर में 25 हजार फार्म कम भरे गए हैं। वर्ष 2024-25 में 1 लाख 30 हजार 500 फार्म पहले चरण में भरे गए थे। इस बार 1 लाख 5 हजार 372 आवेदन हुए। वहीं नामी गिरामी स्कूलों में दाखिले के लिए सबसे ज्यादा होड़ मची है। हाल यह है कि सीटों से 100 गुना ज्यादा आवेदन इन स्कूलों के लिए आए हैं।

### दुर्ग जिले में 3 हजार आवेदन कम

दुर्ग जिले में पहले चरण में पिछले साल की अपेक्षा करीब 3 हजार आवेदन कम आए हैं। पिछले साल वर्ष 2024-25 में पहले चरण में 13300 आवेदन आए थे। इस बार वर्ष 2025-26 में 10532 आवेदन आए हैं।

### 100 गुना से ज्यादा आवेदन

भिलाई के नामी स्कूलों के लिए बच्चों ने सबसे ज्यादा आवेदन भरे हैं। डीपीएस दुर्ग, डीपीएस भिलाई, मैत्री विद्या निकेतन, केपीएस स्कूल, डीएवी स्कूल, शंकराचार्य विद्यालय, इंदु आईटी सहित 12 स्कूल हैं। इन स्कूलों में सीटों से 100 गुना ज्यादा आवेदन आए हैं। इन स्कूलों में बच्चों के प्रवेश के लिए मारामारी मची

### नामी स्कूलों की सीटें और आवेदनों की संख्या

| स्कूल | सीटें | आवेदन |
|---|---|---|
| डीपीएस दुर्ग- | 30 | 299 |
| डीपीएस भिलाई | 91 | 202 |
| केपीएस नेहरूनगर | 59 | 390 |
| केपीएस सुंदरनगर | 23 | 813 |
| शंकराचार्य विद्यालय | 47 | 222 |
| शकुंतला विद्यालय | 37 | 883 |
| इंदु आईटी | 16 | 792 |
| डीएवी हुडको | 54 | 172 |
| शारदा विद्यालस | 33 | 328 |
| मैत्री विद्या निकेतन | 29 | 328 |

### डुप्लीकेट व फर्जीवाड़ा पर रोक के लिए बने नए नियम... पालन जरूरी

**राशन कार्ड में नहीं चलेगा पोता-पोती**

1 अंत्योदय राशनकार्ड परिवार से अभिप्रेरित है। इसलिए इसमें केवल पति, पत्नी और उनके अविवाहित बच्चे तथा आश्रित सदस्य होना चाहिए। यह नियम परिभाषित करता है कि पोता, पोती, नानी या नातिन का नाम दर्ज नहीं हो सकता। जिला खाद्य विभाग, नगरनिगम व नगर पालिका के द्वारा फर्जी तरीके से विवाहित बच्चों व उनके बच्चों का नाम जोड़ा गया।

**2011 के दस्तावेज का नहीं हो सकता परीक्षण**

2 सामाजिक, आर्थिक तथा जातिगत जनगणना 2011 के दस्तावेजों का परीक्षण नहीं किया जा सकता। इसलिए कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दुर्ग में इस जनगणना के हितग्राही परिवारों की अनुमोदित सूची उपलब्ध नहीं है। जिसके कारण नोडल प्राचार्य आवेदकों का इस दस्तावेज सत्यापन नहीं कर सकते।

**गरीबी रेखा का अनुमोदन नहीं कर सकेंगे अनुमोदन**

3 गरीबी रेखा की सूची में आवेदक के संरक्षक का नाम दर्ज होना चाहिए। लेकिन राजपत्र के अनुसार गरीबी रेखा की सूची में माता-पिता का नाम दर्ज होना चाहिए। यानी नोडल प्राचार्य आवेदक के दादा-दादी के गरीबी रेखा सत्यापन प्रमाण पत्र का अनुमोदन नहीं कर सकते हैं।

**लाटरी सिस्टम से चयन**

“ जिन स्कूलों में सीटों से ज्यादा आवेदन आए है वहां लाटरी सिस्टम से प्रवेश दिया जाएगा। नामी स्कूलों के लिए सबसे ज्यादा आवेदन आए हैं। परीक्षण चल रहा है। - अरविंद कुमार मिश्रा, डीईओ दुर्ग

# छग में साहू समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है : साव

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई/सेलूद

तहसील साहू संघ पाटन द्वारा दो दिवसीय तहसील स्तरीय कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन अमलेश्वरडीह में रविवार को किया गया। मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री अरुण साव थे। कार्यक्रम की

- कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह का आयोजन

शुरुआत 1009 दीपों के साथ कृष्ण कर्मा की महाआरती के साथ हुई।

श्री साव ने कहा कि सामूहिक विवाह में जिसका विवाह सम्पन्न होता हैं, उसका दाम्पत्य जीवन सुखमय और सफल होता हैं। क्योंकि पूरा समाज एक साथ आशीर्वाद प्रदान करता है। यहां विवाह बंधन में बंधने वाले 24 जोड़ा समाज के गौरव व प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि साहू समाज की ताकत समाज के लोगों की मेहनत व ईमानदारी हैं, जिससे हमारा समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सामूहिक विवाह मे शामिल बेटा बेटियों को बधाई देते हुए कहा आप सभी का वैवाहिक जीवन सुखमय हो आपके माता पिता को भी बधाई व धन्यवाद जो की अपनी बेटियां व बेटों की विवाह सामूहिक विवाह मे विवाह करा रहे हैं। इससे परिवार को आर्थिक बोझ से निजात मिलती है। समय और पैसों की भी बचत होती है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने कहा कि आजकल शादी के पहले प्रीवेडिंग की कुप्रथा चल रही है। इस पर रोक लगाने की जरूरत है। शादी, ब्याह परंपरा के अनुसार होना चाहिए। आज के दौर में समाज में नया नया वर्ग पैदा हो रहा है। कुछ लोग अपने आप को कट्टर कांग्रेसी मानते है तो कुछ लोग कट्टर भाजपा वर्ग के मानते हैं। ठहरे हुए पानी में गंदगी आती है। सामाजिक संगठनों बहते हुए पानी की तरह हो।सांसद विजय बघेल ने कहा भक्त माता कर्मा ने अपनी जीवन की हर तपस्या, साधना,पूजा, भक्ति को समाज के लिए समर्पित कर दिये।

# स्कूटी से वार्ड संपर्क अभियान में निकले विधायक रिकेश सेन

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन अपने वार्ड संपर्क अभियान के तहत रविवार को वार्ड-1 खमरिया जुनवानी में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मौके पर समस्याओं का निराकरण किया वहीं कुछ अन्य समस्याओं के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। विधायक 5 घंटे तक स्कूटी पर वार्ड की समस्याओं से अवगत होते रहे।

- खमरिया जुनवानी में दिए कई समस्याओं के निदान के निर्देश

उन्होंने खमरिया पौनी पसारी बाजार पर असामाजिक तत्वों के अड्डे की शिकायत पर तत्काल तबूतरे को तोड़वा दिया। तत्काल बुलडोजर चलवा दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि पहले यह चबूतरा बारात के जनवासा समेत गांव की अन्य बैठकों के काम आता था लेकिन अब इन चबूतरों पर देर रात तक आसामाजिक तत्व शराब सेवन करते हैं, जुआं खेलते हैं जिससे महिलाओं को परेशानी हो रही है। चबूतरे पर लगा डोम शेड निकालकर उन्होंने

मुक्तिधाम में लगाने के निर्देश दिए। विधायक द्वारा जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि मुक्तिधाम में कचरा डंप होने की जानकारी मिलने पर विधायक ने निगम स्वास्थ्य अधिकारी को वहां ट्रेंचिंग ग्राउंड न बनाने के निर्देश दिए। 10 हजार वर्गफुट पर पूर्व में बनाया गया कांजी हाऊस वर्षों से बंद पड़ा है, जिसे डिस्मेंटल कर मांगलिक भवन बनाने के निर्देश देते हुए 30 लाख रूपये की घोषणा की। भ्रमण के दौरान महिलाओं ने विधायक से सूनसान स्थान पर बोरिंग होने से परेशानी होने व अन्यत्र शिफ्ट कराने की मांग की।

# प्रेमी ने किया मंगेतर का अपहरण प्रेमिका समेत आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

अपहरण करने वाले युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सीएसपी हरीश पाटिल ने बताया कि मंगल बाजार छावनी निवासी भूपेन्द्र यादव ने शिकायत किया कि दोस्त टोकेश साहू के साथ बाइक में बैठकर घर जा

- जामुल थाना क्षेत्र की घटना, महाराष्ट्र से पकड़े गए आरोपी

रहे थे। तभी बोगदा पुलिया के पास पहुंचते ही कार में सवार व्यक्तियों ने बाइक को रोका। कार से युवक उतरे और टोकेश साहू को गाली गलौज कर जमकर मारपीट कर कार में बिठाकर अपहरण कर बेमेतरा ले गए। मौका पाते ही टोकेश साहू फरार हो गया। तकनीकी सहायता और हुलिया के आधार पर आरोपी कौगिया कला थाना परपोड़ी जिला बेमेतरा, हाल-इन्द्रप्रस्थ नगर, नागपुर(महाराष्ट्र) निवासी दुर्गेश साहू को घेराबंदी कर पकड़ा गया। उसने पुलिस को बताया कि वह हेम कुमारी साहू उर्फ हेमा से प्रेम करता है। हेम कुमारी की शादी टोकेश साहू के साथ तय हुआ था। हेम कुमारी टोकेश से शादी नही करना चाहती थी।

आरोपी हेम कुमारी अपनी शादी की जानकारी, मंगेतर टोकेश साहू का बायोडाटा व फोटो अपने प्रेमी आरोपी दुर्गेश साहू को दिया। आरोपी दुर्गेश साहू अपने दोस्त ग्राम डूंडा थाना व जिला बेमेतरा हाल में इन्द्रप्रस्थ नगर, नागपुर महाराष्ट्र निवासी अमित वर्मा उर्फ राजा बंटी के साथ मिलकर साजिश रची। नागपुर से क्रेटा कार में बोगदा पुलिया जामुल आकर टोकेश साहू को रास्ते में रोक कर मारपीट किया।

# सामूहिक विवाह के लिए रावघाट के गांवों को दी वित्तीय सहायता

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक गतिविधियों के तहत दूरस्थ वनांचल को बीएसपी के रावघाट लौह अयस्क खदान द्वारा रावघाट लौह अयस्क परियोजना के तहत मुख्य महाप्रबंधक (रावघाट) अरूण कुमार तथा महाप्रबंधक अनुपम बिष्ट के प्रयासों से खड़कागांव एवं बिंजली ग्राम को आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

इस वित्तीय सहायता के अंतर्गत सामूहिक विवाह समारोह के आयोजन के लिए ग्राम बिंजली

की सरपंच गमिता कुमेटी को 50 हजार रूपए तथा खड़कागांव की सरपंच जुनाय सलाम को ग्राम में जात्रा अनुष्ठान के आयोजन के लिए 50 हजार रूपए का चेक सहायक महाप्रबंधक डीएन रस्तोगी द्वारा सौंपा गया।

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या
अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न
नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें- दुर्ग, भिलाई
9300663610, 7489348301

### शिकायत के बाद भी नहीं हुई कार्रवाई

# भिलाई-चरोदा निगम की लापरवाही, ले-आउट में 80 फीट की सड़क, मौके पर बनी 40 फीट

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा वार्ड 19 पदुमनगर की मुख्य सड़क जो नेशनल हाइवे से श्रीराम सिटी तक पहुंची है। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग के नक्शे में 80 फीट की सड़क दिखाई दे रही है। लेकिन

- वार्ड-19 पदुमनगर भिलाई-3 की सड़क का मामला

निगम के अधिकारियों की लापरवाही के चलते आज 40 फीट चौड़ी सड़क मौके पर बन पाई है। सड़क निर्माण निगम इंजीनियरों की निगरानी में तीन साल पहले किया गया था। मिली जानकारी के मुताबिक भिलाई-3 में जीई रोड से लेकर श्रीराम सिटी तक 850 मीटर लंबी सड़क अतिक्रमण की भी भेंट

चढ़ गई है। सबसे अहम बात तो यह है कि निगम अफसरों ने रसूखदारों की निजी जमीन को बचाने के लिए 40 फीट की सड़क का निर्माण कर दिया। इसको लेकर पूर्व में शिकायतें भी हुई है। लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। उधर सड़क पर भी कुछ लोगों ने कब्जा कर सामान रख दिया है। अस्थाई अतिक्रमण हटाने की भी कार्रवाई नहीं की गई। इसकी वजह से यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों और पदुम नगर के रहवासियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिसकी शिकायत अधिवक्ता अवेधश कुमार ने थी।

बावजूद पदुमनगर मार्ग के बगल में खाली जगह पड़ी है। फिर भी नगर निगम ने कम चौड़ाई की सड़क बनाई है। यह मार्ग काफी व्यस्त रहता है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि यह मार्ग सीधे जीई रोड से जुड़ा है। इसके सामने ही चिकित्सालय और कुछ होटल भी हैं। स्थानीय लोगों ने इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है।

**“ पहले 80 फीट**

कुछ लोगों की निजी जमीन है। जब तक अधग्रिहण नहीं होगा, कुछ नहीं कह सकते है। पहले के ले -आउट में सड़क 80 फीट की थी। सड़क निर्माण का काम लगभग पूरा हो गया है।

- प्रकाश थवानी
ईई भिलाई-चरोदा नगर निगम

**“ सड़क सिमट गई है**

पदुम नगर मुख्य मार्ग से श्री राम सिटी तक रोड टाउन एंड कंट्री प्लानिंग में स्थित नक्शा में 80 फीट का रोडका है। भू माफिया और निगम प्रशासन की लापरवाही से यह सड़क 40 फीट में सिमट गई है। रसूखदारों पर निगम अब तक कार्रवाई नहीं की है। सड़क 40 फीट में सिमटना जांच का विषय है। भू- माफियाओं द्वारा प्रमुख मार्ग पर अतिक्रमण कर सड़क की चौड़ाई आधी कर दी गई है।

- मनीष वर्मा
पार्षद वार्ड 19 नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 21 अप्रैल 2025
लाइव
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
0788- 4091720, Message at 7747020002, 9755819129

04

मिलान का जलवा

## लाइव इवेंट

### आंगनबाड़ी में दिया सुपोषण का मंत्र, पौष्टिक आहार सेवन की ली शपथ

**भिलाई।** समाजसेवी संगठन गोल्डन एंपथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से केंद्र सरकार द्वारा निर्देशित "पोषण पखवाड़ा" कार्यक्रम में विशिष्ट भागीदारी दी जा रही है। इसी कड़ी में महिला बाल विकास विभाग भिलाई-1 परियोजना खुर्सीपार जोन-3 सेक्टर के आंगनबाड़ी केंद्र खुर्सीपार क्रमांक-1 में 9वें दिन हमर स्वस्थ लइका (सी-मैम) प्रबंधन मॉड्यूल के साथ कुपोषण प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा रखी गई। इस दौरान जीई फाउंडेशन की ओर से उपस्थित लोगों को कुपोषण के विरुद्ध संकल्पित रहने शपथ दिलाई गई, वहीं जरूरतमंदों को सुपोषण सामग्री बांटी गई।

- जीई फाउंडेशन दे रहा पोषण पखवाड़ा में विशिष्ट भागीदारी

जीई फाउंडेशन की टीम ने यहां 30 मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों को प्रोटीन पाउडर एवं न्यूट्रेला वितरित किया। फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने एकीकृत बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) से समन्वय स्थापित करते हुए गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं साथ ही कुपोषित बच्चों में खान पान की सही आदतों व स्थानीय खाद्य पदार्थों की महत्ता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। वहीं जीई फाउंडेशन की डॉ. ज्योति पिल्लई ने उपस्थित लोगों को कुपोषण के विरुद्ध पौष्टिक एवं संतुलित आहार के सेवन के संबंध में शपथ दिलवाई। आँगनबाड़ी सुपरवाइजर (पर्यवेक्षक) कंचन महतो ने नवजात शिशु के जीवन के शुरूआती एक हजार दिनों में देखभाल को लेकर उपस्थित लोगों को जानकारी दी। उन्होंने पालकों से स्वस्थ जीवन शैली-स्वच्छता,पौष्टिक आहार, व्यायाम को अपने परिवार के बीच प्रोत्साहित करने कहा। इस दौरान आंगनबाड़ी सहायिका जगदंबा, पूजा, नमिता, पुष्पा साहू, कार्यकर्ताओं में पुष्पा छाबड़ा, संतोषी निर्मलकर, माधवी देवी, संजू कश्यप, संजू कुमारी, सोमा चौरसिया, अनीता, संतोषी, कंचन, सुजाता वैद्य और लक्ष्मी ब्राह्मणकर के साथ जीई फाउंडेशन से प्रकाश देशमुख व अजीत सिंह भी उपस्थित थे।

## सिटी इवेंट

### साइलेंस पॉवर की अथॉरिटी थीं स्व रतनमोहिनी, उनकी शिक्षा को जीवन में आत्मसात करने का लिया संकल्प



**भिलाई।** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की दिवंगत मुख्य प्रशासिका राजयोगीनी दादी रतनमोहिनी की पुण्य स्मृति में सेक्टर 7 स्थित पीस ऑडिटोरियम में श्रद्घाजंलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुबह राजयोग सत्र के बाद भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने रतन मोहिनी दादी की विशेषताओं को बताते हुए कहा कि दादीजी को सदा देह और कर्म के बंधन से मुक्त फ़रिश्तेपन की स्थिति में लाईट शक्ति स्वरूप में देखा। दादीजी साइलेंस पॉवर की अथॉरिटी थी।

- सेक्टर 7 पीस ऑडिटोरियम मेंी दादी रतनमोहिनी को दी गई श्रद्धांजलि

भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव प्रवास के दौरान दादीजी को स्वास्थ संबंधी परेशानी हुई, फिर भी दादीजी ने यह कहते हुए सेवाएं की यह कार्य परमात्मा का है हमें निमित्त बनकर सहयोग देना है, तब ही परमात्मा की संपूर्ण मदद मिलती है।

दादीजी के निमित्त परमात्मा को विशेष भोग अर्पण करने के पश्चात भिलाई स्थित सर्व सेवाकेंद्रो की वरिष्ठ ब्रह्माकुमारी दीदियों सहित सभी ब्रह्मावत्सों ने 101 वर्ष की आयु में दिवंगत मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ब्रह्मा वत्सो ने दादीजी की शिक्षाओं को जीवन में धारण कर कंट्रोलिंग पॉवर द्वारा एक महीने तक मन को एकाग्र करने का दृढ़ संकल्प किया।

**सेक्टर नौ अस्पताल का हेल्प डेस्क, रिटायर बुजुर्ग बीमार कर्मचारियों और उनकी जीवन संगनियों को व्हीलचेयर से पहुंचाता है स्टाफ**

# अंकल जी आप चिंता मत करिए... आपका बेटा नहीं है तो व्हीलचेयर पर बिठाकर मैं आपको ओपीडी तक पहुंचा देता हूं

सेवानिवृत्ति के बाद अकेलेपन ौर बुढ़ापे में जीने वाले कर्मचारियों व उनकी जीवन संगिनियों के लिए सेक्टर नौ के अस्पताल में इलाज के लिए विशेष सुविधा दी जाती है। बुर्जुग बीमार कर्मचारियों के लिए गेट के बाहर व्हीलचेयर की व्यवस्था की गई है। इस दौरान 20 हेल्प डेस्क के युवा बुर्जुग मरीजों को ओपीडी से लेकर इन गहन चिकित्सा कक्षों तक इलाज के लिए ले जाते है। उपचार के बाद वापस उन्हें वाहन में बिठा देते है। ऐसा नजारा हर रोज अस्पताल में दिखता है। इलाज के बाद बुर्जुग युवाओं को धन्यवाद ज्ञापित कर कहते हैं कि ईश्वर उन्हें सारी खुशियां प्रदान करें।



**भिलाई।** दस साल पूर्व रिटायर होने के बाद से अस्थमा से पीड़ित 71 वर्षीय रमेशचंद्र प्रसाद चेकअप कराने खांसते हुए ई रिक्शा से बड़ी मुश्किल से सेक्टर नौ जेएलएन अस्पताल के मेन गेट के अंदर तक पहुंचे हैं। खांसी परेशान कर रही है और वे पैदल चलने से थक भी चुके हैं। ओपीडी में डाक्टर के कक्ष तक कैसे जा पाएंगे, सोच ही रहे थे कि तत्परता दो युवक व्हीलचेयर के साथ पहुंचते हैं और आत्मीयता से अंकलजी बैठिए कहते हुए चिकित्सक के कक्ष तक पहुंचा देते हैं। उनके धन्यवाद बेटे कहने पर दोनों युवक उसी अपनेपन से कहते हैं चिंता मत करिए, हम आपको ओपीडी से यहां तक पहुंचाने भी आएंगे। आपका मोबाइल नंबर बता दीजिए....।

सेक्टर नौ हास्पिटल में थकान और भटकने से राहत पाने वाले उम्रराज कर्मी रमेशचंद्र शहर में अकेले नहीं हैं बल्कि उनकी तरह यहां रोज इस तरह की मदद हासिल करने वाले पचासों बुजुर्ग मरीज होते हैं। बीएसपी के जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र सेक्टर नौ के दोनों मेन गेट पर खुला हेल्प डेस्क में सेवा और सहयोग की मिसाल बना हुआ है।

सामाजिक सरोकार के तहत हास्पिटल प्रबंधन की इस अभिनव सुविधा से बुजुर्ग और अन्य बेसहारा मरीजों को पूर्व में अस्पताल में गंतव्य स्थल तक पहुंचने में होने वाली परेशानियों से मुक्ति मिल गई है। भिलाई इस्पात संयंत्र और सुलभ इंटरनेशनल आफ एक्शन सोसियोलाजी एंड सोसियोलाजी आफ सेनिटेशन दिल्ली के मध्य हुए अहम एमओयू के तहत 70 साल से अधिक आयु के मरीजों को उपचार के लिए व्हीलचेयर से अस्पताल में डाक्टर्स और टेस्ट काम्पलेक्स आदि सभी जगह पहुंचाने के लिए अनुबंध मददगार साबित हो रहा है। सीएसआर के तहत हास्पिटल में ओपीडी गेट नं. 2 और केजुवल्टी में खोली गई हेल्प डेस्क पर आरेंज कलर की एप्रोन पहने 26 सेवाभावी युवा कर्मी 20 व्हील चेयर के साथ अकेले आने वाले वृद्ध,दुर्घटनाग्रस्त, दिव्यांग और अन्य जरुरतमंद मरीजों को ओपीडी, लैब, वार्ड, आईसीयू, ओटी आदि तक ले जाने 24 घंटे तत्पर रहते हैं। चेकअप के लिए आने वाले कई वृद्ध तो ऐसे होते हैं, जिनके बच्चे बाहर जांब में होने से अकेले होते हैं। कुछ को अस्थमा और दिखाई कम देने की शिकायत होती है। दुर्घटनाग्रस्त और दिव्यांग होने से टेस्ट कराने और ओपीडी पहुंचने की समस्या होती है।

### मरीजों ने कहा हेल्पफुल सुविधा

कुछ तो तन्हा होने से बेहोश तक हो जाते हैं। ऐसे जरुरतमंद और अस्पताल में बेसहारा मरीजों को हेल्प डेस्क के सेवा और संवेदना के हरकारे परिजन की तरह अपने महसूस होते हैं। रमेश चंद्र बताते हैं कि जेएलएन की हेल्प डेस्क की सेवा सराहनीय है। सेक्टर 3 के एसके त्रिपाठी ने अनुभव पंजी में लिखा कि हेल्पफुल सुविधा शुरु होने से हम जैसे जरुरतमंद रिटायरों के लिए बेहतर साबित हो रही है। दुर्घटना बाद दोनों पावों में प्लास्टर करवाकर लौट रहे श्री राव बताते हैं कि सेवा करने वाले मदद के लिए तत्परकर्मी पेशेवर नहीं लगते हैं।

### संजीवनी साबित हो रही तत्परता

यूं तो इस हास्पिटल का हेल्प डेस्क (वरिष्ठ नागरिक सहायता केंद्र ) 70 साल से अधिक आयु के लोगों के लिए खोला गया था। लेकिन सेवा और संवेदना के लिए जाने जाते रहे मेडिकल प्रोफेशन में जरुरतमंद को अनदेखा करना असंवेदनशीलता माना जाता है। इसलिए हेल्प डेस्क में सीनियर सिटीजंस के अलावा जिन लोगों के साथ परिजन या अटेंडेंट नहीं है, उन सभी को व्हीलचेयर पर बताई गए स्थल पर पहुंचाया और वापस भी हेल्प डेस्क तक लाया जाता है। कुछ शुगर,बीपी, अस्थमा के अर्धबेहोशी वाले मरीज तो ऐस भी आए जिन्हें तत्काल डांक्टर की सहायता नहीं मिलती तो गंभीर गंभीर हो सकते थे। संस्था के सुपरवाईजर दिलीप सिंह बताते हैं कि हास्पिटल प्रबंधन का यह हेल्प डेस्क ऐसे गंभीर मरीजों के लिए संजीवनी बना हुआ है। कैजुअल्टी की हेल्प डेक्स के सेवाभावी कर्मी तो गंभीर मरीज को आंक्सीजन और बीपी सुविधा भी मौके पर दे देते हैं।

# सेवानिवृत्ति सड़क का अंत नहीं यह खुले राजमार्ग की शुरुआत है, पढ़ाना दुनिया का सर्वश्रेष्ठ कार्य

**भिलाई।** पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय दुर्ग में 34 वर्ष की सेवाएं देने के पश्चात प्राथमिक शिक्षिका मधु थपलियाल सेवानिवृत्त हुई। इस अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य उमाशंकर मिश्र ने कहा कि किसी को पढ़ाना और ज्ञान देना दुनिया का श्रेष्ठ कार्य है। पढ़ाते हुए शिक्षक छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व में बदलाव लाता है और उन्हें सकारात्मक करता है। शिक्षकों के जीवन से एक भी छात्र का जीवन बदलता है तो उसका शिक्षक होना सार्थक हो जाता है। शिक्षिका मधु ने अपने कार्यकाल के दौरान यही साबित किया। वे सामाजिक कार्यों से जुड़ी रहती हैं। मैं उनसे अनुरोध करूंगा कि वे सेवानिवृत्ति के बाद भी बच्चों को पढ़ाएं। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. अजय आर्य ने कहा कि सेवानिवृत्ति सड़क का अंत नहीं है। यह खुले राजमार्ग की शुरुआत है।

सेवानिवृत्ति के अवसर पर हमें सामाजिक सेवा का संकल्प लेना चाहिए। जीवन में जो काम अधूरे रह जाते हैं एवं जो हमने अपनी संतुष्टि के लिए नहीं किया है उसे पूरा करना चाहिए। इस अवसर पर शिक्षिका मधु के 34 वर्षों की यात्रा पर आधारित चलचित्र एस वी एस गायत्री द्वारा प्रदर्शित किया गया।

### सेवानिवृत्त के बाद एक दूसरी पारी चालू

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरदेव लाल साहू ने अपने अनुभव साझा किया और कहा कि शिक्षक को समाज के अंदर सामाजिक बदलाव के लिए पहल करनी चाहिए। सेवानिवृत्ति के बाद एक दूसरी पारी चालू होती है जिसमें हमें सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।

# स्टूडेंट्स ने जानी ब्रशिंग टेक्निक डेढ़ सौ बच्चों का हुआ दंत परीक्षण

**भिलाई।** इंडियन डेंटल एसोसिएशन दुर्ग-भिलाई के डॉक्टर्स द्वारा श्री जैन तरुण क्लब दुर्ग के सहयोग से निशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्री महावीर जैन विद्यालय शिक्षक नगर दुर्ग में किया गया। इस डेंटल समर कैंप में 5 वर्ष से 12 वर्ष आयु तक करीब 150 बच्चों का दंत परामर्श किया गया एवं सभी बच्चों को और शिक्षिकाओं को उनके उपचार के संबंधित जानकारी दी गई। बच्चों ने अपनी समस्याओं को डाक्टर्स के साथ साझा किया। इस शिविर में बच्चों को स्वस्थ आहार विभिन्न ब्रशिंग टेक्निक की जानकारी दी गई। आईडीए अध्यक्ष डॉ फातिमा खान ने स्कूल प्राचार्य एवं सभी संचालको का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ स्मिता श्रीवास्तव, डॉ सविता कब्डवाल, डॉ श्रेणिक नाहटा, डॉ रिया, डॉ दिव्या, डॉ लवप्रीत, डॉ पुर्वा, डॉ गौरव, डॉ शाहबाज ने अपनी सेवाएं दी। इस सेवा के लिए स्कूल के सभी संचालकों ने आईडीए के सभी डॉक्टर्स को सम्मानित किया।

**बंगाली समुदाय ने मनाया पोइला बैशाख मिलन समारोह**

**कार्नर न्यूज**

**भिलाई।** भिलाई सेक्टर 8 स्टील क्लब में बंगाली नववर्ष को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर सदस्यों ने भाग लिया और बंगाली संस्कृति की अद्भुत झलक प्रस्तुत की। सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम में बंगाली सांस्कृतिक उत्सव की खूबसूरती को दर्शाते हुए पारंपरिक नृत्य, गीत और नाट्य प्रस्तुतियाँ दी गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न कलाओं का प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। पारंपरिक पोशाकों में सजी महिलाएँ और पुरुषों ने इस आयोजन को रंगीन बना दिया।

# पारंपरिक व्यंजनों की बिखरी खूशबू, नृत्य, गीत और नाट्य की प्रस्तुतियां देकर किया सेलिब्रेशन







### पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध

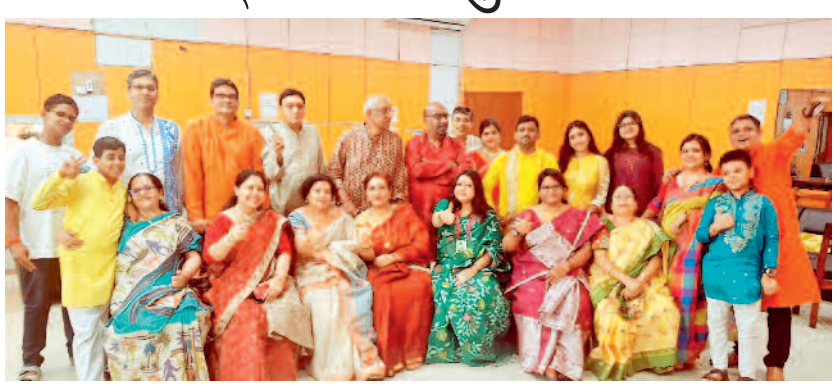

बंगाली नववर्ष समारोह के आयोजन में बंगाली व्यंजनों की विशेष व्यवस्था थी। इस दौरान मेहमानों को पारंपरिक भोजन परोसे गए। इन व्यंजनों का स्वाद हर किसी की जुबान पर था और सभी ने बंगाली खानपान की तारीफ की।

सभी सदस्यों ने मिलकर नववर्ष "पोइला बैशाख" का स्वागत किया और एकता व समृद्धि की कामना की। यह आयोजन बंगाली समुदाय के संस्कृति, परंपरा और भाईचारे को दर्शाने वाला एक प्रेरणादायक कार्यक्रम साबित हुआ।

इस अवसर पर जौहर डे, सुमित सिकदार, जयंत मित्रा, सुब्रतो अधिकारी और दिब्येंदु सरखेल आयोजन समिति के सदस्यों ने इस आयोजन को पूरे पारंपरिक वातावरण में संपन्न कराया। इस दौरान सदस्यों ने रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति से संगठित योजना, कड़ी मेहनत, समर्पण और अनुकरणीय टीमवर्क को प्रदर्शित किया।

## सिटी इवेंट

### हमारी परंपरा, विचार और सांस्कृतिक विरासत देश की धरोहर को सहेजे

**भिलाई।** आर्य समाज में विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर धर्म संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा सिर्फ ईट और पत्थर ही हमारी धरोहर नहीं है। पुरातत्व विभाग इन्हें सहेजकर रखता है। हमारी परंपरा, हमारे विचार और हमारी सांस्कृतिक विरासत भी एक सच्ची धरोहर है। विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर हम सभी को अपनी आने वाली पीढ़ी को अपनी धरोहरों से जोड़ने का प्रयत्न करना चाहिए। वेद संस्कृति उपनिषद रामायण महाभारत यह किस देश के धरोहर है जो संपूर्ण विश्व को दिशा दिखा सकती है। महर्षि दयानंद सरस्वती की 200 वीं जयंती एवं आर्य समाज की स्थापना के 150 वर्ष पूरे होने पर महासम्मेलन का आयोजन 19 व 20 अप्रैल को रायपुर में किया गया। इस अवसर पर छग मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह एवं गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत कार्यक्रम में शामिल हुए। 200 कुण्डीय धर्म रक्षा महायज्ञ के दो दिवसीय सनातन संस्कृति महासम्मेलन में देश के कोने-कोने से संत महात्मा वैदिक विद्वान एवं विचारकों ने शिरकत की। इस महासम्मेलन में सनातन धर्म वैदिक चेतना के लिए 200 कुण्डीय महायज्ञ का आयोजन किया गया। सम्मेलन में भाग लेने के लिए रायगढ़, सरगुजा, अंबिकापुर, बिलासपुर, जगदलपुर, धमतरी, कांकेर, दुर्ग, भिलाई से सैकड़ो कार्यकर्ता एकत्रित हुये। प्रतिनिधि सभा के मंत्री अवनी भूषण पुरंग ने बताया महर्षि स्वामी दयानंद सरस्वती ने आज से 150वर्ष पहले हिंदू समाज को एक करने का प्रयत्न आरंभ किया था। डेढ़ सौ साल पहले आर्य समाज की स्थापना करते हुए उन्होंने हिंदू समाज को जाती-पाती से दूर होकर के एक धर्म संस्कृति और परंपरा का अनुसरण करने का संदेश दिया था।

- आर्य समाज दुर्ग में गूंजा, समाज अमर रहे का नारा

## हेल्थ इवेंट

### निःशुल्क जांच शिविर में 67 मरीजों का हुआ इलाज, वितरित की गई दवा

**भिलाई।** श्री राधा विनोद आश्रम कापसी की ओर से दुर्गा मंदिर बांधे बाजार परिसर कांकेर में निः शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित किया। इस शिविर में भिलाई इस्पात संयंत्र के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग में कार्यरत रहे भूतपूर्व चिकित्सक डॉ राजेश्वर राम और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ चंदन दास ने टीम के साथ अपनी सेवाएं दी। इसके अलावा श्री गणेश विनायक आई अस्पताल रायपुर से डॉ अभिषेक पटेल, सुधीर पटेल व डॉ हितेश्वर ने भी अपनी सेवाएं दी। डॉ चन्दन दास ने शिविर में 28 हृदय रोग से प्रभावित मरीजों की ई.सी.जी. और अन्य जांच की तथा परामर्श दिया। डॉ राम ने 67 मरीजों का जांच की। शिविर में 65 मरीजों की आंखों की जांच के साथ सभी को निशुल्क दवाएं दी गईं। इस अवसर पर भिलाई से अपूर्व राय, विनोद बाला, अमर गुहा राय, आशीष सरकार, पल्लव चटर्जी, आश्रम कापसी से विष्णु गोसाईं, उत्तम गोसाईं, देवाशीष, अमल, निमाई, रिंकी, ज्योतिका, संगीता व अंकुशी ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित भक्तों और लाभान्वित मरीजों ने खुशी जाहिर करते हुए सभी का आभार जताया।

## लाइव इवेंट

### लोक कलाओं को समृद्ध करने लोककला मंच की आमसभा आज

**भिलाई।** क्षेत्रीय लोक कलाओं को समृद्ध करने की दृष्टि से पद्मश्री स्व.पूना राम निषाद द्वारा गठित लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी की वार्षिक आम सभा का आयोजन 21 अप्रैल को दोपहर 3 बजे स्व पुनाराम निषाद स्मृति संस्कृतिक भवन रिंगनी में किया गया है। अध्यक्ष राज कुमार पांडेय के निर्देश पर आयोजित वार्षिक आमसभा में सदस्यों की उपस्थिति, वार्षिक का कार्यक्रम की रूपरेखा, आय-व्यय लेखा सहित सदस्यता बढ़ाने और वर्ष भर के कार्यक्रमों की रुपरेखा तय करने के लिए आयोजित बैठक में सभी सदस्यों सहित क्षेत्र के लोक कला में रुचि रखने वाले लोगों से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई है। मीडिया प्रभारी राम कुमार वर्मा ने बताया कि लोक कला मंच पंडवानी रिंगनी द्वारा विलुप्त होती खड़ी साज नानच सहित क्षेत्रीय लोक वाद्यों के निर्माण की कार्यशाला भी आयोजित करने की अपील की गई है। इस दौरान सचिव रोहित निषाद, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश निषाद सहित सभी पदाधिकारी प्रमुख रुप से उपस्थित रहेंगे।

● चर्चो में हुई विशेष प्रार्थना, फादर ने बताए बाइबल के वचन, जगह-जगह हुआ भोज

# ट्विनसिटी में ईस्टर की रही धूम, पुनर्जीवित होकर प्रभु यीशु ने प्रेम-दया और क्षमा का दिया संदेश, बांटी खुशियां

**भिलाई।** ट्विनसिटी में मसीह समुदाय के लोगों ने ईस्टर का पर्व धूमधाम से मनाया। जिसे ईस्टर संडे भी कहते हैं। गुड फ्राइडे के तीसरे दिन मनाए जाने वाला यह पर्व इसाई समाज के लोगों के लिए खास होता है। रविवार को इस्टर के खास अवसर पर लोग चर्चो में एकत्रित हुए। फादर ने बताया कि इस्टर के दिन प्रभु यीशु ने पुनर्जीवित होकर प्रेम, दया और क्षमा का संदेश दिया था। इस अवसर पर चर्च में फादर द्वारा बाइबिल के वचनों और संदेशो का समाज के लोगों के बीच प्रचार-प्रसार किया। प्रभू यीशु के तीसरे दिन जी उठने की खुशी में सभी चर्च में हर्षोल्लास का माहौल दिखाई दिया। साथ ही लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईस्टर की बधाई भी दी। इस अवसर पर कई चर्चों में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ ही गीत-संगीत के भी आयोजन किए गए। जिसमें प्रभु के त्याग व समर्पण का बखान किया गया।

प्रभु यीशु को सूली पर चढ़ाए जाने के तीन दिन बाद वह पुनर्जीवित हो गए थे। ईस्टर का त्योहार ईसाई धर्म के प्रमुख पर्वो में से एक है। गुड फ्राइडे के दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाने के बाद इस दिन को उनके पुनरुत्थान के रूप में मनाया जाता है। ईसाई समुदाय के लोग ईस्टर संडे के मौके पर परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर चर्च में जुटे और प्रार्थना के बाद एक साथ समाज के लोग भोज कार्यक्रम में भी शामिल हुए। गुड फ्राइडे के दिन ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया था। ऐसे में उनके अनुयायियों के बीच उदासी छा गई थी, लेकिन हुआ ये कि तीसरे दिन बाद यीशु पुनर्जीवित हो उठे, और तभी से उनके अनुयायी इस दिन को खुशी के पर्व के रूप में मनाने लगे। ईसाई के पवित्र ग्रंथ बाइबिल में प्रभु यीशु के जीवन का संपूर्ण वृतांत है। ईसा मसीह ने अपना पूरा जीवन लोगों की भलाई के लिए न्यौछावर कर दिया। लोगों को सत्य की राह पर चलने की सीख दी। लोगों की भलाई के लिए ही वे स्वयं सूली पर चढ़ गए। प्रभु यीशु के कई अनमोल वचन आज भी प्रासंगिक है।

### रविवार की सुबह कब्रस्तिान में भी जाने की परंपरा

ईस्टर की सुबह रविवार को अपने से बिछडे लोगों से मिलने मसीह समाज के लोग कब्रस्तिान भी जाते है। अपनों के कब्रों को एक दिन पहले साफ सफाई रंग रोगन करते है। सुबह कब्र को फूलो से सजाकर, कैंडल, अगरबत्ती जलाया जाता है। अपनों के कब्र में प्रेयर कर बाइबल पढ़कर उन्हें याद किया जाता है।

### गुड फ्राइडे के तीसरे दिन मनाते है ईस्टर

जिले में कुल चार दर्जन से भी अधिक चर्च है। जहां गुड फ्राइडे के तीसरे दिन मनने वाला ईस्टर पर्व बडे धूमधाम से मनाया गया। रेव्ह अर्पण तरुण ने बताया कि ईस्टर पर्व मसीह समाज के लोगों का विशेष दिन होता है। इस दिन चर्चो में बाइबिल के वचनों से समाज के लोगों के बीच प्रचार प्रसार किया जाता है। प्रभू यीशु के तीसरे दिन जी उठने की खुशी सभी चर्चो में हर्षोल्लाष के साथ मनाया जाता है। चर्चो में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत संगीत के आयोजन हुए। कई चर्चो में मेले जैसा माहौल दिखाई दिया। मेले में मसीह समाह के लोग बाइबिल से लेकर प्रभू यीशु से जुडे सामानों की खरीदारी भी किये। इस दौरान पास्टर मुकेश कंवर ने बताया कि इस पर्व को समाज के लोगों द्वारा हर्ष के साथ मनाते है। चर्चो में सेक्टर 6 सीसी चर्च,बैपतीस चर्च, हार्वेस्ट चर्च, मारथोमा, यहोन्ना भवन, चर्च ऑफ गॉड, करुणा चर्च, खुर्सीपार दिप्पतीदान क्रिश्चयन चर्च, मोनोनाइट चर्च दुर्ग, क्रश्चियन चर्च दुर्ग, क्रश्चियन चर्च कुम्हारी, ग्लोरी प्रार्थना भवन खुर्सीपार, मसीह मंदिर, एबेनेजर प्रर्थना भवन चरोदा, जोन 2 चर्च आदि में पर्व मनाया गया।

## आयोजन...

# सीए सहकर्मी समीक्षा पर दिया प्रशिक्षण

**भिलाई।** भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान आईसीएआई की भिलाई शाखा द्वारा पीयर रिव्यू बोर्ड के तत्वावधान में पीयर रिव्यूवर्स (सहकर्मी समीक्षा) करने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआई भवन, सिविक सेंटर, भिलाई में किया गया। इस अवसर पर महावीर जैन, सीए राहुल बत्रा, सीए रवि ग्वालानी को आईसीएआई की विभिन्न समितियों में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए जाने पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सीआईआरसी के चेयरमैन सीए अंकुर कुमार गुप्ता एवं वाइस चेयरमैन सीए दिनेश कुमार अग्रवाल विशेष रूप से शामिल हुए। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पूर्व अध्यक्ष सीए मिनेश जैन ने बताया कि इस अवसर पर आईसीएआई भिलाई शाखा के चेयरमैन सीए राजेश कुमार बाफना, सचिव सीए प्रभजीत सिंह जग्गी, वाइस चेयरमैन सीए सुखदेव राठी, कोषाध्यक्ष सीए दिलीप जैन, चेयरमैन सीए प्रतीक अग्रवाल तथा कार्यकारिणी सदस्य सीए तलबिंदर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीआरबी अध्यक्ष सीए पुरुषोत्तमलाल खंडेलवाल ने की। इस दौरान विशेष इस विषय पर विशेष जानकारी पीआरबी उपाध्यक्ष सीए ज्ञान चंद मिश्रा और कार्यक्रम के संयोजक सीए अभय छाजेड़ द्वारा दी गई। कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं के रूप में सीए अयुष जैन एवं सीए अनुरुद्ध तिवारी ने उत्कृष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया। समन्वयक की भूमिका भिलाई के पूर्व चेयरमैन सीए प्रफुल्ल कोठारी ने निभाई। इस अवसर पर सीए महावीर जैन, सीए राहुल बत्रा, सीए रवि ग्वालानी को आईसीएआई की विभिन्न समितियों में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाए जाने पर उनका सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में सीए प्रफुल्ल कोठारी, सीए जे एल जैन, सीए एन के टांक, सीए मिनेश जैन आदि उपस्थित थे।

**विभिन्न समितियों में महावीर, राहुल व रवि बने विशेष आमंत्रित सदस्य**

## हिंदी साहित्य समिति की बैठक एवं काव्य गोष्ठी

# हम शराफत में कहीं आधे कहीं तिरछे मिले हैं, होश में देखो हमें हम कितने बिखरे पड़े

**भिलाई।** दुर्ग जिला हिन्दी साहित्य समिति की बैठक रविवार को आयोजित की गई। काव्य गोष्ठी में कवियों ने समसामयिक विषयों पर कविताओं की प्रस्तुति दी। अध्यक्ष बलदाऊ राम साहू ने राजधानी में राष्ट्रीय बाल संगोष्ठी पर केंद्रित विशेष आयोजन का प्रस्ताव रखा। शायर सुशील यादव की रचना 'हम शराफत में कहीं आधे कहीं तिरछे मिले हैं, होश में देखो हमें हम कितने बिखरे पड़े हैं।' कवियों द्वारा सराही गई।

- कवियों ने सामाजिक समसामयिक विषयों पर पढ़ी रचना
- राष्ट्रीय स्तर पर बाल संगोष्ठी का होगा आयोजन

बैठक में तय किया गया कि प्रति माह समिति बैठक का आयोजन करेगी और विशिष्ट साहित्यकारों के सम्मान में परिचर्चा सहित विभिन्न पर्व आधारित संगोष्ठी आयोजित करेगी।

काव्य गोष्ठी में अध्यक्ष बलदाऊ राम साहू, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर एन श्रीवास्तव, जी पी सोनी, नित्यानंद पांडे, शायर सुशील यादव, डॉ अजय आर्य, शारदा प्रसाद पांडे ने कविताओं के माध्यम से अपने विचार रखे।

### बुजुर्गों के साथ समय बिताया जाए को सराहा

राकेश गुप्ता ने मरनासन्न कर्ण और कृष्ण संवाद के माध्यम से कर्म-फल और न्याय पर आधारित भावपूर्ण रचना' साथ अधर्म के खड़े नहीं अपराध बड़ा है, सतत पाप में भागीदारी पाप बड़ा है' की प्रस्तुत की। नित्यानंद पांडे ने भोजपुरी में स्वप्न जीवित रहें कविता प्रस्तुत की। अध्यक्ष बलदाऊ राम साहू ने अपनी रचना 'बच्चों को कुछ अच्छा सिखाया जाए बुजुर्गों के साथ समय बिताया जाए' और जिस घर में अम्मा रहती है वह घर, घर लगता है की मार्मिक प्रस्तुति दी। डॉ. अजय आर्य ने श्रृंगार रस की रचना \तेरी यादों की चादर ओढ़ कर सो रहा हूँ तकिए से लिपटकर पैर को मोड़ कर सो रहा हूँ सुनाई। राज नारायण श्रीवास्तव ने आध्यात्म पर आधारित कविता तथा एस पी पांडे ने अमरूद और तोते के माध्यम से सामाजिक सौहार्द्र पर रचना पढ़ी।\ काव्य गोष्ठी का संचालन सचिव राकेश गुप्ता रूसिया ने किया।

## गनियारी व रूआबांधा में स्थानीय साहू समाज ने धूमधाम से मनाया कर्मा जयंती

# समानता करुणा भक्ति की प्रतीक है, माता कर्मा की गाजे-बाजे के साथ निकली कलश यात्रा, प्रतिभावानों को किया सम्मानित

**कार्नर न्यूज**

**भिलाई।** ग्राम गनियारी व रूआबांधा में स्थानीय ग्रामीण साहू समाज द्वारा भक्त शिरोमणि माता कर्मा की जयंती कार्यक्रम का आयोजन दुर्ग ग्रामीण क्षेत्र में किया गया। इस अवसर पर नगर में गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। इस दौरान भक्त माता कर्मा और दानवीर भामासाह जयकारे से नगर गूंज उठा। छोटे बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और प्रतिभावान बच्चें सम्मानित किए गए। साथ ही महाप्रसाद खिचड़ी ग्रहण किया।भक्त माता कर्मा जयंती के कार्यक्रम अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने माता कर्मा की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया और क्षेत्रवासियों को जयंती की शुभकामनाएं दी।

### समाज को लेकर बढ़े आगे

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि भक्त माता कर्मा समानता, करुणा और भक्ति की प्रतीक है। हम सबको माता कर्मा के बताए मार्ग पर चलना चाहिए। जिस प्रकार त्याग को अपनाया, उसी प्रकार समाज के द्वारा में हमें भी मां कर्मा माता की तरह आने वाले प्रत्येक त्याग को अपनाकर आगे बढ़ना है। उन्होंने समाज के लोगों को साथ लेकर आगे बढ़ने की बात कही। साथ ही सभी के साथ खिचड़ी का महाप्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर समाज के बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और समाज के उत्थान के लिए काम करने वाले वरिष्ठ सदस्यों और नगर के नवनिर्वाचित जन प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया।

### ग्रामीणों की समस्याओं का जल्द ही होगा समाधान

श्री चंद्राकर ने आगे कहा हमारी सरकार ने सुशासन तिहार के माध्यम से शासन की योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में आम जनता की समस्याओं के समाधान के लिए प्रशासन पूरी सजगता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। आप अपने समस्याओं को लिखित रूप में ग्राम पंचायत में रखे पेटी में डाला है उस समस्या के निराकरण के लिए विभाग के संबंधित अधिकारी कर्मचारी आपके घर पहुंचकर समस्याओं का समाधान करेंगे। इस तिहार का उद्देश्य आम जनता तक सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना और उन्हें सशक्त बनाना है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रिया साहू, साहू समाज अध्यक्ष संतोष साहू, उपाध्यक्ष कीर्तन साहू, भारती साहू, संतोषी साहू, डोमर साहू, केवल साहू, अनिल साहू, विनोद, प्रताप, चैता, ईश्वरी, मदन, राम, केदार, पूरन, नेतराम, मोहन, रेपु, छन्नू, फकीर, रामलाल, घनश्याम, फागुन, फेरहा राम साहू, शिवरतन, गिरधारी, भास्कर, लाभचंद, वोमेश, डोकेश, दुर्गा, तारिणी, गीतू, निलेश्वरी, रेवाराम ठाकुर, रिसाली मण्डल अध्यक्ष अनुपम साहू, साहू समाज अध्यक्ष रेखराम साहू, संरक्षक हीरामन साहू, उपाध्यक्ष दशरथ साहू, बाबूराम,पार्षद टीकम साहू, सरिता, रामसनेह साहू, नेम साहू, सरस्वती साहू सहित साहू समाज के सैंकड़ों सदस्य बडी संख्या में उपस्थित रहे।

## सिटी स्पोर्ट्स

### पिक्लबॉल प्रदर्शन में 40 से अधिक छात्राओं ने लिया हिस्सा

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ स्टेट पिक्लबॉल एसोसिएशन व ऑल इंडिया पिक्लबॉल एसोसिएशन के तत्वधान में विश्व के सबसे तेज गति से बढ़ते पिक्लबॉल खेल को प्रदेश एवं राजधानी में लोकप्रिय बनाने प्रदर्शन आयोजित कर रहा है। छत्तीसगढ़ पिक्लबॉल संघ के सचिव रूपेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि ऑल इंडिया पिक्लबॉल संघ के गेम्स प्रमोशन पॉलिसी के अंतर्गत प्रदेश के कॉलेज एवं यूनिवर्सिटी में इसका प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस कड़ी में कल गुरुकुल महिला महाविद्यालय कालीबाडी रायपुर में इस खेल का प्रदर्शन किया गया। जिसमे लगभग 40 छात्राओं एवं प्रोफेसर ने उत्साह से भाग लिया। इस प्रदर्शन को आयोजन में महाविद्यालय की क्रीड़ा अधिकारी डॉ रिंकू तिवारी एवं महा की प्राचार्य डॉ संध्या गुप्ता का विशेष योगदान रहा। प्रदर्शन में वरिष्ठ कोच लुकेश नेताम, मोनेश साहू, रितेश साहू, प्रेम प्रकाश ध्रुव, रोहन मण्डल सहित उपस्थित खिलाड़ियों को खेल के नियमों एवं स्किल की जानकारी दी।

### राष्ट्रीय शालेय कुश्ती स्पर्धा में हिस्सा लेने बोनेश दिल्ली रवाना

**रायपुर।** राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा बालक कुश्ती चयन प्रतियोगिता जांजगीर चांपा में आयोजित हुआ था। जिसमें जय बजरंग अखाड़ा गोकुलपुर धमतरी के बोनेश कुमार साहू ने अपना बेस्ट प्रदर्शन करते हुये 17 वर्ष, वजन समूह के 92 किलोग्राम में गोल्ड मेडल जीता। राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा कुश्ती प्रतियोगिता 21 से 25 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित होगी। जिसमें बोनेश छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ी की इस उपलब्धि पर जय बजरंग अखाड़ा गोकुलपुर के उस्ताद भगवान सिंह यादव, संतोष साहू, राजकुमार नेताम, अंकालू भोयर, सोहन यदु,कृष्णा साहू, मेघराज यदु, तुलसी, मुकेश साहू, मनोज साहू, हरीश नेताम, लल्ला यदु, प्रभात भोयर, रामकुमार साहू एवं खेल प्रशिक्षक कुमार साहू एवं अखाड़ा के कुश्ती प्रशिक्षक विजय कुमार यादव, नुमेश यादव व अन्य पहलवानों ने हर्ष जताया है।

### जिला स्तरीय मिनी सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप 3 मई से

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में दुर्ग जिला शतरंज संघ द्वारा 3 एवं 4 मई को कृष्णा विकास टेक्नो स्कूल धमधा रोड में दो दिवसीय जिला स्तरीय मिनी सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अंडर-7,9,11 एवं अंडर-13 के शतरंज खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी ने बताया कि चैंपियनशिप अंतराष्ट्रीय नियम के अनुसार खेली जाएगी। जिसमें अंडर-7,9,11 एवं अंडर-13 के दो बालक एवं दो बालिकाओं का चयन राज्य चैंपियनशिप के लिए किया जाएगा जो कि 15 से 19 मई तक एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल बेमेतरा में आयोजित है। चैंपियनशिप के सभी आयु समूह वर्गों के बालक एवं बालिका वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं तीसरे एवं चौथे स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया जाएगा। तथा भाग लेने वाले सभी खिलाड़ियों को मेडल एवं ई सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

स्पर्धा में प्रवेश शुल्क 400 रुपए तथा प्रवेश की अंतिम तिथि 28 अप्रैल तक निर्धारित है। उक्त चैंपियनशिप के चीफ आर्बिटर अलंकार भिवगड़े/ इंटरनेशनल आर्बिटर/ एवं डिप्टी चीफ आर्बिटर रॉकी देवांगन/ फिडे आर्बिटर/ एवं सहायक के रूप में सीनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा होंगे। स्पर्धा में प्रवेश हेतु खिलाड़ी सीनियर नेशनल आर्बिटर अनिल शर्मा से संपर्क कर सकते हैं। स्पर्धा के आयोजन में कृष्णा विकास टेक्नो स्कूल की प्राचार्य श्रीमती निधि शर्मा एवं समस्त स्टाफ तथा जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष दिनेश जैन, ललित वर्मा, एस के भगत, दिनेश नलोडे, मोरध्वज चंद्राकर, अजय राय, सहसचिव संजय खंडेलवाल एवं जयंता दास, हरीश सोनी, जवाहर सिंह और रवि शर्मा आदि का सहयोग हैं।

## अधिक मात्रा हमेशा नुकसानदायक, बीमारियों को मिलता है खुला आमंत्रण

# ज्यादा चीनी से डायबिटीज के अलावा जोड़ों-लिवर की भी बढ़ सकती हैं समस्याएं, सेवन से पहले रखें ध्यान

शरीर को रोगमुक्त रखने के लिए जिन चीजों की मात्रा आहार में कम से कम रखने की सलाह दी जाती है, नमक और चीनी उनमें शीर्ष पर है। आहार में नमक की अधिकता से ब्लड प्रेशर बढ़ने से लेकर हार्ट और किडनी तक की समस्याओं का खतरा हो सकता है, इसी तरह से जो लोग अधिक मात्रा में चीनी वाली चीजों का सेवन करते हैं उनमें समय के साथ डायबिटीज की बीमारी होने का जोखिम बढ़ जाता है। आहार विशेषज्ञ चीनी और नमक के अधिक सेवन को शरीर के लिए 'स्लो पॉइजन' जैसा मानते हैं जिससे धीरे-धीरे कई प्रकार की बीमारियों के विकसित होने का जोखिम हो सकता है। चीनी के अधिक सेवन को आमतौर पर डायबिटीज का प्रमुख कारक माना जाता है, पर क्या आप जानते हैं कि चीनी के कारण होने वाले दुष्प्रभाव यहीं तक सीमित नहीं हैं। डायबिटीज के अलावा भी चीनी शरीर को कई प्रकार से प्रभावित कर सकती हैं। तो अगर आप ज्यादा चीनी खाते हैं तो अभी से सावधान हो जाइए।

### चीनी शरीर के लिए हानिकारक

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, शुगर ड्रिंक, कैंडी, बेक किया हुआ सामान और मीठे डेयरी उत्पादों में ऐडेड शुगर की मात्रा बहुत अधिक होती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसे क्या कहा जाता है, चाहे आप चीनी कहें या ऐडेड शुगर, इसकी अधिक मात्रा शरीर पर कई तरह से नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। ये मान कर चलना कि ज्यादा चीनी खाने से सिर्फ डायबिटीज होने का जोखिम रहता है, आप गलती कर रहे हैं। चीनी की अधिकता ब्रेन से लेकर लिवर, जोड़ों और हार्ट तक के लिए दिक्कतें बढ़ाने वाली हो सकती है।

### मूड से संबंधित विकारों का खतरा

क्या आप जानते हैं कि चीनी खाने से आपके मस्तिष्क में डोपामाइन नामक आपको अच्छा महसूस कराने वाला रसायन उत्पन्न होता है। इससे आपको और अधिक मात्रा में चीनी वाली चीजों को खाने की इच्छा होती है। हालांकि जब आप इसका अधिक मात्रा में सेवन करने लगते हैं तो इसके कारण आपको मूड से संबंधित विकारों का खतरा हो सकता है। इतना ही नहीं ज्यादा चीनी खाने को इंफ्लामेटरी प्रभावों को बढ़ाने वाला पाया गया है

### आर्थराइटिस होने का खतरा

यदि आपको जोड़ों में दर्द रहता है, तो मीठी चीजों का सेवन तुरंत कम कर देना चाहिए। अधिक मात्रा में चीनी या मीठी चीजों को जोड़ों में दर्द को बढ़ाने वाला माना जाता है क्योंकि ये शरीर में सूजन पैदा कर देती है। अध्ययनों से पता चलता है कि जो लोग बहुत अधिक चीनी खाते या पीते हैं उनमें रुमेटाइड आर्थराइटिस विकसित होने की अधिक आशंका हो सकती है। ये आदत आपके जोड़ों के लिए भी ठीक नहीं है।

### लिवर को हो सकता है नुकसान

ऐडेड शुगर वाली चीजों में प्रचुर मात्रा में फ्रुक्टोज हो सकती है। फ्रुक्टोज की अधिकता लिवर को नुकसान पहुंचाती है। जब फ्रुक्टोज का लिवर में ब्रेन डाउन होता है तो यह वसा में बदल जाता है, जो समय के साथ लिवर में जमा होने लगता है। लिवर में अतिरिक्त वसा के निर्माण की समस्या को फैटी लिवर के रूप में जाना जाता है जो न सिर्फ लिवर के सामान्य कार्य में बाधा डाल देती है साथ ही इससे और भी कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के विकसित होने का खतरा हो सकता है।

## कॅरियर नई उड़ान देने एआई से जुड़े कोर्स पर दीजिए ध्यान

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। एआई में करियर बनाने के लिए, आपको मैथ और प्रोग्रामिंग की जरूरत पड़ सकती है। अगर आपके पास ये स्किल्स नहीं हैं, तो आप उन्हें ऑनलाइन पाठ्यक्रम या बूट कैंप के माध्यम से सीख सकते हैं।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऐसी मशीनें बनाने का 3 विज्ञान है, जो इंसानों की तरह सोच सकती हैं और स्मार्ट वर्क कर सकती हैं, जिसका आधुनिक समय में वेब सर्च इंजन, गूगल सर्च, रोबोटिक्स, यूट्यूब, नेटफ्लिक्स, सेल्फ-ड्राइविंग कार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। यह टेक्नोलॉजी मशीन लर्निंग, नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग, कंप्यूटर विजन, डीप लर्निंग जैसे खास तकनीकों के आधार पर काम करती है।

### बारहवीं के बाद करें

अगर आप आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में करियर

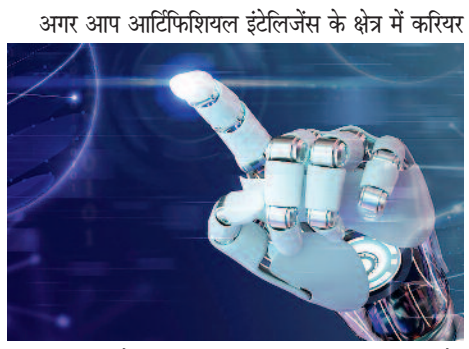

बनाना चाहते हैं, तो आपके लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में बारहवीं पास करने के बाद से ही रास्ते खुल जाते हैं। इसके बाद आप चार वर्षीय बीटेक इंजीनियरिंग कर सकते हैं। बीटेक में दाखिला के लिए आईआईटी-जेईई की परीक्षा आयोजित करायी जाती है। वैसे इस डोमेन में प्रवेश के लिए आप बीएससी कोर्स भी कर सकते हैं। एआई के क्षेत्र में विशेषज्ञता पाने के लिए आप डिप्लोमा, सर्टिफिकेट या एमटेक कोर्स भी कर सकते हैं।

### प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की समझ

एआई के डोमेन में करियर बनाने के लिए आपको प्रोग्रामिंग, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग और डाटा साइंस के ज्ञान के साथ प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के रूप में पाइथन, जावा और सी++ का ज्ञान जरूरी है। लीनियर अलजेब्रा, प्रोबेबिलिटी और स्टेटिस्टिक्स का ज्ञान उतना ही जरूरी है। मशीन लर्निंग अल्गोरिथम, न्यूट्रल नेटवर्क के साथ स्पार्क और अन्य बड़े डाटा टेक्नोलॉजी के रूप में हडूप, कसेन्ड्रा, मोंगो डीबी जैसे ओपन सोर्स डेटाबेस का ज्ञान भी जरूरी है। नुमपी एल्गोरिदम, अपाचे स्पार्क, टेन्सर फ्लो जैसे आधुनिक फ्रेमवर्क की अच्छी जानकारी होनी चाहिए।

### एआई के ट्रेंडिंग कोर्स

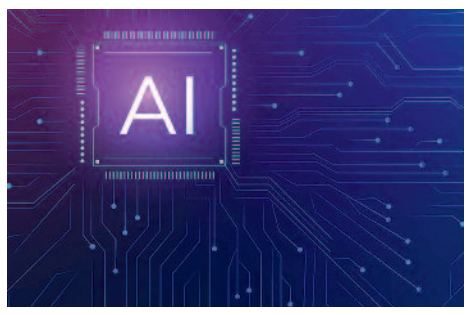


आप आईआईटी, मद्रास से एडवांस सर्टिफिकेशन इन डाटा साइंस एंड एआई, आईआईएम, कोलकाता से एआई इन मैन्युफैक्चरिंग, आईआईआईटी, हैदराबाद से एआई और मशीन लर्निंग में पीजी लेवल का सर्टिफिकेट कोर्स आदि कोर्स कई शैक्षणिक संस्थानों से कर सकते हैं। एआई के लिए ये हैं 5 कोर्स - फाउंडेशन ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग, पीजी प्रोग्राम इन मशीन लर्निंग एंड एआई,पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड डीप लर्निंग,फुल स्टैक मशीन लर्निंग एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम और पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग ।

# चैत्र से श्रावण के बीच क्यों पड़ते हैं इतने कम त्योहार, जानिए वजह



ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि चैत्र माह के बाद पंचांग के मुताबिक बैसाख, ज्येष्ठ और आषाढ़ माह आते हैं यानी कि इंग्लिश कैलेंडर में मई, जून और जुलाई का महीना। इन तीन महीनों में ऐसा माना जाता है कि ग्रह कमजोर पड़ जाते हैं।

भारत को त्योहारों वाला देश माना जाता है। न सिर्फ इंग्लिश कैलेंडर के मुताबिक बल्कि हिन्दू पंचांग के अनुसार भी इतने छोटे-बड़े त्योहार आते हैं जिनकी कोई गिनती ही नहीं। यहां तक कि जब देव सो जाते हैं यानी कि देवशयनी एकादशी आकर चली जाती है तब से लेकर देव उठनी एकादशी तक कोई शुभ काम नहीं होते हैं लेकिन इसके बाद भी सभी बड़े पर्व इस दौरान पड़ते हैं और धूमधाम से मनाए भी जाते हैं। वहीं, एक समय ऐसा भी आता है जब तीन महीनों तक कोई भी बड़ा त्योहार आता ही नहीं है। आइये जानते हैं ऐसा होने के पीछे का कारण और कौन से महीने में नहीं पड़ते त्योहार इस अबरे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से।

### चैत्र नवरात्रि से रक्षाबंधन के बीच त्योहार न पड़ने का कारण

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि चैत्र माह के बाद पंचांग के मुताबिक बैसाख, ज्येष्ठ और आषाढ़ माह आते हैं यानी कि इंग्लिश कैलेंडर में मई, जून और जुलाई का महीना। इन तीन महीनों में ऐसा माना जाता है कि ग्रह कमजोर पड़ जाते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में ऐसा बताया गया है कि कोई भी त्योहार ग्रहों के बनने वाले शुभ योगों के आधार पर मनाया जाता है। ऐसे में इन तीन महीनों में ग्रहों द्वारा कोई भी शुभ योग उत्पन्न नहीं होता है। ग्रहों की शुभता अशुभता में बदल जाती है। ग्रह क्रोधी हो जाते हैं।

इसी कारण से इन तीन महीनों में कोई त्योहार नहीं पड़ते हैं। इसके अलावा, एक कारण यह भी माना जाता है कि इन तीन महीनों में सूर्य का आधिपत्य ग्रहों में बढ़ जाता है, जिसके कारण शुभ नक्षत्रों की रचना में ग्रहों का योगदान नहीं होता है।

जिस प्रकार बिना ग्रहों द्वारा बनने वाले शुभ योगों के त्योहार की तिथि नहीं पड़ सकती है। ठीक वैसे ही बिना नक्षत्रों के त्योहार की पूजा संभव नहीं हो सकती है।

# धूप से आकर तुरंत पीते हैं ठंडा पानी? जान लीजिए इसके गंभीर नुकसान

गर्मियों ने दस्तक दे दी है और तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस मौसम में आप थोड़ी देर के लिए ही क्यों न बाहर निकलें आपका गला और जुबान सूखने लगता है,ऐसा लगता है कि कब ठंडा पानी मिल जाए और सुकून आ जाए, हम में से अधिकतर लोग धूप से आकर चिल्ड पानी पी लेते हैं। अगर आप भी ऐसा करते हैं तो आज से ही करना बंद कर दीजिए,क्योंकि इससे आपकी सेहत पर गंभीर असर पड़ सकता है। धूप से आने के बाद ठंडा पानी पीने से आपके शरीर का तापमान गड़बड़ा जाता है। दरअसल जब आप बाहर से आते हैं तो आप के शरीर का तापमान बढ़ा हुआ होता है और आप अचानक से ठंडा पानी पी लेते हैं तो इससे आपको सर्दी गर्मी की शिकायत हो जाती है। इसके कारण सर्दी जुकाम बुखार हो जाता है। वहीं जब आप अचानक से ठंडा पानी पी लेते हैं तो इससे आपके पाचन पर भी प्रभाव पड़ता है इसके कारण आपकी डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है और आप को अपच की शिकायत हो जाती है। एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा पानी पीने से हाथ से खुलने लगते हैं और इसके कारण आपको कब्ज की शिकायत हो सकती है। ठंडा पानी पीना आपके दिल के लिए भी खतरनाक साबित हो सकता है जब आप कुछ ठंडा पानी पीते हैं तो इससे आपका ब्लड वेसल से कूदने लगती है और ब्लड फ्लो धीमा होने लगता है और ऐसे में हार्ट हेल्थ को नुकसान पहुंच सकता है। धूप से आकर तुरंत बाद अगर आप ठंडा पानी पी लेते हैं तो आपके सिर में गंभीर दर्द हो सकता है। ऐसा आपका ब्रेन फ्रीज होने की वजह से होता है। बहुत ज्यादा ठंडा पानी पीने से दिमाग की नसों पर असर पड़ता है, जिसके कारण यह ठीक प्रकार से काम नहीं कर पाती है।

## कार्नर न्यूज

## अपने कॅरियर का ध्यान रखते हुए घर की जवाबदारी भी निभाएं

# ऑफिस के साथ बच्चे की पढ़ाई को मैनेज करने के लिए अपनाएं जरूरी टिप्स, नहीं होगी किसी को भी परेशानी

'आपके पास तो मेरे लिए टाइम ही नहीं है', अगर आप भी वर्किंग पैरेंट हैं, तो अपने बच्चे से कभी न कभी ऐसा जरूर सुना होगा। असल में यह हर वर्किंग पैरेंट के साथ होना आम बात है। उनके लिए अपनी पेशेवर जिंदगी और बच्चे के लालन-पालन के बीच संतुलन बनाना बहुत मुश्किल हो जाता है। कभी-कभी कुछ माता-पिता इस बात को लेकर मायूस भी हो जाते हैं कि वे अपने बच्चों के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। हालांकि आपको इतना नहीं सोचना चाहिए। अगर आप काम कर रहे हैं, तो निसंदेह वह जरूरी होगा। ऐसे में कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर आप सब कुछ संतुलित रख सकते हैं। यह कैसे संभव है, आइए आर्टेमिस अस्पताल के मानसिक स्वास्थ्य और व्यवहार विज्ञान के प्रमुख मनोचिकित्सक व सलाहकार डॉ. राहुल चंडोक से जानते हैं।

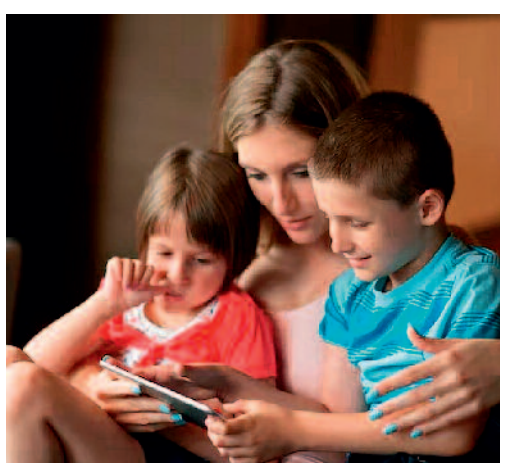

### धैर्य रखना सीखें

एक बात गांठ बांध लीजिए, इस जीवन में सबसे बड़ी पूंजी है धैर्य। अगर धैर्य हो तो जीवन की कई मुश्किलों का हल आसानी से निकल आता है। बच्चों के लालन-पालन में भी इसकी बड़ी भूमिका है। कई बार ऑफिस की किसी बात से हम उलझन में होते हैं और उसके बदले में गुस्से का सामना करता है हमारा बच्चा। ऐसा बिल्कुल न होने दें। बच्चे के सामने हमेशा धैर्य बनाए रखें। खासतौर पर उसकी पढ़ाई के मामले में बहुत धैर्य की आवश्यकता होती है। हो सकता है कि पर्याप्त ध्यान न दे पाने से उसका रिजल्ट आपकी उम्मीदों के अनुरूप न रहे, लेकिन इस बात पर झुंझलाहट न दिखाएं।

### बच्चे की बात सुनें

अगर काम के चक्कर में आपके पास बच्चे के लिए बहुत समय नहीं रह पाता है, तो आपको प्रयास करना चाहिए कि जब भी समय मिले उसकी बातों को ध्यान से सुनें। पढ़ाई के बारे में जब उससे बात हो तो वह रिजल्ट पर केंद्रित न हो। उसे ऐसा नहीं लगना चाहिए आप उसे बस रिजल्ट मशीन और स्टेटस सिंबल की तरह मानते हैं। आपकी बात स्कूल के परिवेश, अध्यापकों और उसके दोस्तों पर केंद्रित होनी चाहिए। आपको समझना चाहिए कि उसे कौन से विषय अच्छे लगते हैं और किन विषयों में उसे परेशानी का सामना करना पड़ता है।

### ले सकते हैं ट्यूटर की सहायता

अगर बच्चा किसी विषय में कमजोर लगता है तो आप ट्यूटर की सहायता ले सकते हैं। हालांकि इसमें उसकी सहमति अवश्य लें। ट्यूशन उसे किसी बोझ जैसा नहीं लगना चाहिए। आप उससे खुलकर बात करें और उसके मन की जानें, तभी ट्यूशन का फैसला लें। ट्यूशन को स्टेटस दिखाने का माध्यम नहीं बनाना चाहिए। अगर बच्चा कहे कि वह स्वयं कर सकता है, तो उसकी बात पर विश्वास करें और उसका उत्साहवर्धन करें, जिससे वह सही परिणाम ला सके। यह ध्यान रखें कि आपके बच्चे के लिए आपसे बेहतर कोई नहीं हो सकता है। ट्यूशन बस एक माध्यम हो सकता है, लेकिन आपको बच्चे को समय देना जरूरी है। काम का शेड्यूल तय कीजिए और ऑफिस के टाइम के बाद ऑफिस का काम मत कीजिए। इस बात की स्पष्ट लकीर रखिए कि कौन सा समय परिवार और बच्चे के लिए है। टेक्नोलॉजी ने जीवन को आसान बनाया है, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि दिनभर लैपटॉप और मोबाइल पर काम ही करते रहें। कोशिश करें कि जब बच्चे के साथ हों तो इन सबसे दूर रहें। पढ़ाई में बच्चा कैसे प्रगति कर रहा है, इसके लिए हफ्ते में एक या दो दिन टेस्ट के लिए तय कर लीजिए। इस टेस्ट की प्रक्रिया को रोचक बनाइए।

## फिल्म इवेंट

### हॉलीवुड

## एक्ट्रेस मिशेल ट्रैचेनबर्ग की मौत को लेकर न्यूयॉर्क मेडिकल परीक्षक का बड़ा खुलासा

अमेरिकन एक्ट्रेस मिशेल ट्रैचेनबर्ग का 39 साल की उम्र में निधन हो गया था, लेकिन उस समय उनकी मृत्यु का कारण सामने नहीं आया था। वहीं अब मिशेल की मेडिकल रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें उनकी मृत्यु का कारण सामने आया है, जो हर किसी को हैरान कर रहा है।

मिशेल ट्रैचेनबर्ग ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी, जब उनकी मृत्यु हुई तो वह सिर्फ 39 साल की ही थीं। इतनी छोटी उम्र में मिशेल के निधन से उनके सभी चाहने वाले दुखी थे। वहीं अब जाकर उनकी मेडिकल रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें साफ हो पाया है कि उनकी मृत्यु का कारण क्या था। यह जांच न्यूयॉर्क सिटी के मेडिकल परीक्षक की ओर से आई है।

अभिनेत्री मिशेल ट्रेचटेनबर्ग के निधन के बाद से ही उनके चाहनेवाले जानना चाहते थे कि आखिर इतनी छोटी उम्र में अचानक से वह कैसे इस दुनिया को छोड़कर चली गईं। वहीं अब जाकर न्यूयॉर्क सिटी के मेडिकल परीक्षक कार्यालय की एक रिपोर्ट सामने आई है। मेडिकल परीक्षक कार्यालय ने बुधवार को एक बयान में कहा है कि अभिनेत्री मिशेल ट्रेचटेनबर्ग की मृत्यु मधुमेह की जटिलताओं के कारण हुई थी। 39 वर्षीय मिशेल, जो ₹गॉसिप गर्ल₹ और ₹बफी द वैम्पायर स्लेयर₹ जैसे शो के लिए जानी जाती थीं, फरवरी में मैनहट्टन के अपने अपार्टमेंट में बेहोशी की हालत में पाई गई थीं। शुरू में उनकी मृत्यु का कारण साफ नहीं हो पाया था, लेकिन प्रयोगशाला परीक्षणों के बाद इसे मधुमेह से जोड़ा गया। उनके परिवार ने शव परीक्षण का विरोध किया था।

### टॉलीवुड

## 'रेट्रो' में 80 के दशक के लुक में छाए सूर्या, दुश्मन से दो-दो हाथ करते दिखे

साउथ सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रेट्रो' को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म अपनी रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। दर्शकों को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। इस बीच अब फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्माताओं ने 'रेट्रो' का दमदार ट्रेलर भी जारी कर दिया है। 'रेट्रो' का आधिकारिक ट्रेलर में सूर्या को एक दमदार, एक्शन से भरपूर भूमिका में दिखाया गया है, जो उन्होंने पहले कभी नहीं निभाई है। ट्रेलर की शुरुआत एक्शन सीन्स से होती है, जिसमें सूर्या अपने दुश्मनों को बेरहमी से मारते हुए नजर आते हैं। फिल्म के ट्रेलर में इसकी कहानी की झलक भी देखने को मिली। ट्रेलर में जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, हमें एक अतीत के किस्से की झलक मिलती है। सूर्या का किरदार पूजा हेगड़े द्वारा निभाई गई अपनी प्रेमिका से वादा करता हुआ दिखाया गया है, जो है अपराध और हिंसा की जिंदगी से दूर चले जाने का वादा, लेकिन जब दोनों फिर से मिलते हैं, तो यह पता चलता है कि सूर्या उसे रास्ते पर और आगे निकल गए हैं और पहले से भी ज्यादा हिंसक बन गए हैं। रेट्रो में पूजा हेगड़े, जोजू जॉर्ज, जयराम, नासर, प्रकाश राज और करुणाकरण भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। श्रिया सरन भी एक विशेष कैमियो भूमिका में दिखाई देंगी। संगीत संतोष नारायणन ने दिया है, जबकि कैमरा श्रेयस कृष्णा ने संभाला है। शफीक मोहम्मद अली इसके संपादक हैं। ज्योतिका और सूर्या ने 2डी एंटरटेनमेंट के बैनर तले रेट्रो का निर्माण किया है। संतोष नारायण संगीतकार हैं। यह फिल्म 1 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

### छॉलीवुड

## 'मोर छैयां भुईंयां 3' के गाने धूम मचा रहे, अब ट्रेलर का इंतजार

छत्तीसगढ़ी सिनेमा के चर्चित निर्देशक सतीश जैन एक बार फिर दर्शकों के बीच धमाका करने तैयार हैं। 'मोर छैयां भुईंयां 3' का ट्रेलर 25 अप्रैल को थियेटर में लॉन्च होने जा रहा है। जबकि यूट्यूब पर 4 मई को आएगा। फिल्म को लेकर दर्शकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। यह फिल्म 'मोर छैयां भुईंयां 2' की आगे की कहानी को लेकर आएगी, जिसे अब तक का सबसे इमोशनल और दिल को छू लेने वाला पार्ट कहा जा रहा है। निर्देशक सतीश जैन कहते हैं, फिल्म बड़ी कमाल की बनी है। इस बार कहानी को आगे बढ़ाने में काफी बारीकी और संवेदनशीलता रखी गई है। सभी कलाकारों ने आउटस्टैंडिंग परफॉर्मेंस दी है। खास बात यह है कि 'मोर छैयां भुईंयां 2' दरअसल 'मोर छैयां भुईंयां 1' की रीमेक थी, लेकिन 'मोर छैयां भुईंयां 3' एकदम नई और सीक्वल आधारित कहानी है, जिसमें दर्शकों को पिछली फिल्म से जुड़ी कई कड़ियाँ मिलेंगी। इस बार कहानी में ताजगी भरने के लिए भोजपुरी फिल्मों की चर्चित अदाकारा ऋचा दीक्षित और रायपुर की अभिनेत्री इशिका यादव को कास्ट किया गया है। सतीश जैन के अनुसार, दोनों ही अभिनेत्रियाँ फिल्म में अपने-अपने किरदार को इतने गहराई से निभा रही हैं कि दर्शक उनसे जुड़ाव महसूस करेंगे। इशिका की मासूमियत और ऋचा का अनुभव स्क्रीन पर कमाल का तालमेल लाता है।

अब तक फिल्म के जो भी गाने रिलीज हुए हैं, उन्हें दर्शकों ने सोशल मीडिया और यूट्यूब पर भरपूर रिस्पॉन्स दिया है। चाहे वह रोमांटिक नंबर हो या भावनात्मक गीत, म्यूजिक ने पहले ही फिल्म के लिए माहौल बना दिया है।

## मिलान का जलवा

चाहे ग्राफिक हो या प्रिंटेड, ये आसानी से फिट होने वाले लिफ्टर हैं। सभी सामान्य स्टेपल के साथ एक पहनने पर मेंस फैशन एक अलग ही छटा बिखेरता है। हाल की मिलान फैशन शो में ज्यामितीय से भरे ऐसे प्रिंट खूब छाये रहे। आमतौर पर मेंस फैशन में डिजाइनर बहुत ज्यादा विकल्प नहीं रखते हैं लेकिन इस बार कुछ ने कमाल दिखाया तो उन्हें भरपूर सराहना भी मिली।

# चिलचिलाती धूप से काले पड़ रहे हैं हाथ तो अपनाएं घरेलू नुस्खे

गर्मी के इस मौसम में चाहे आप हाथों को कितना भी कवर करके रख लें, लेकिन धूप का असर इस तक पहुंच ही जाता है। वैसे तो टैनिंग से बचने के लिए आपको बाजार में कई प्रकार से टैन रिमूवल क्रीम आसानी से मिल जाएंगे, लेकिन अगर आप घरेलू नुस्खों में ज्यादा भरोसा करते हैं, तो इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खों के बारे में बताएंगे, जिनके इस्तेमाल से आपको हाथों की टैनिंग से छुटकारा मिलेगा।

**दही और हल्दी :** दही और हल्दी में कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को कई परेशानियों से काफी राहत दिलाते हैं। ऐसे में आप टैनिंग की परेशानी को दूर करने के लिए दही और हल्दी के पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिल जाएगी।

**एलोवेरा :** इस चिलचिलाती गर्मी में एलोवेरा शरीर को ठंडक पहुंचाने का काम करता है। इसके साथ ही ये शरीर की टैनिंग हटाने का काम भी करता है। अगर आप हर रोज एलोवेरा को रात में सोने से पहने हाथों में लगाएंगे, तो आपको टैनिंग से जरूर राहत मिलेगी।

**दही और टमाटर:** टमाटर में पाए जाने तत्व त्वचा को एक्सफोलिएट करते हैं। ऐसे में आधे टमाटर को लेकर उसपर दही लें और फिर इससे हाथों का स्क्रब करें। इससे भी आपको टैनिंग से छुटकारा मिलेगा। ये काफी फायदेमंद रहता है।

**कच्चा दूध:** शरीर के लिए लाभदायक दूध आपकी त्वचा को भी कई परेशानियों से बचा सकता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कच्चे दूध में हल्दी और नींबू मिलाकर इसका पेस्ट तैयार करना है। इस

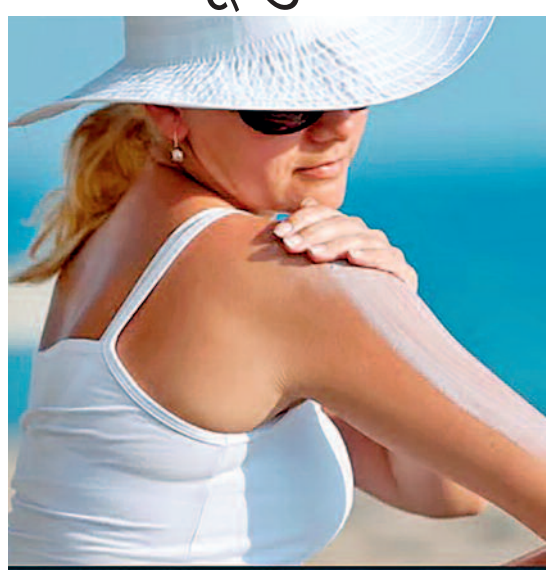

पेस्ट को टैनिंग प्रभावित त्वचा पर लगाएं। इससे आपको कुछ ही समय में राहत मिलेगी।

# शादी में ट्रेडिशनल ज्वेलरी करें ट्राई, हर कोई करेगा तारीफ

कई बार ऐसा होता हैं जब आप किसी खास मौके के लिए आउटफिट तो पसंद कर लेती हैं लेकिन सही ज्वेलरी का चुनाव नहीं कर पाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि आप कन्फ्यूज्ड हो जाती हैं कि आप आपने आउटफिट के साथ किस तरह की ज्वेलरी पहने। अगर आप भी इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं तो बॉलीवुड की इन एक्ट्रेसेस के लुक से आइडिया ले सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ट्रेडिशनल ज्वेलरी दिखाएंगे जिन्हें आप आपने आउटफिट के साथ मैच करके पहन सकती हैं।

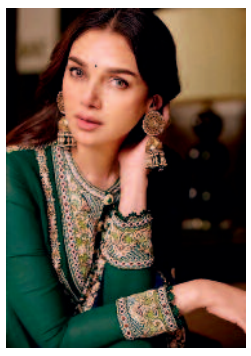

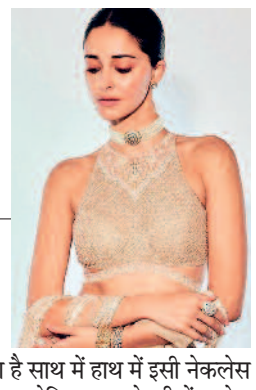

### स्टोन वर्क नेकलेस

अगर आप हैवी ज्वेलरी पहनना चाहती हैं तो आप एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के लुक से आइडिया ले सकती हैं। एक्ट्रेस ने स्टोन वर्क वाला नेकलेस पहना है साथ में हाथ में इसी नेकलेस की तरह मैचिंग कंगन पहने हैं और इस ट्रेडिशनल ज्वेलरी में एक्ट्रेस में काफी सुन्दर नजर आ रही हैं। आप भी एक्ट्रेस के लुक से आईडिया लेकर बाजार से इस तरह का नेकलेस और कंगन खरीद सकती हैं। इस तरह की ज्वेलरी आप ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 300 रुपये तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

### चोकर

चोकर काफी ट्रेंड में है और अगर आप साड़ी और लहंगा पहन रही हैं तो चोकर वियर कर सकती हैं। इस चोकर को किस तरह अपने आउटफिट के साथ मैच करे इसके लिए आप एक्ट्रेस अनन्या पांडे के लुक आइडिया ले सकती हैं। यह चोकर आपको आसानी से बाजार में मिल जायेगा जिन्हें आप अपने आउटफिट के हिसाब से सस्ते दाम में खरीद सकती हैं। ये चोकर आपको 200 से 300 की रेंज में आसानी से बाजार और ऑनलाइन मिल जाएंगे।

# समर सीजन में ऑफिस में पहनने अपनाएं ये फुटवियर

गर्मियों में ऑफिस में जाने के दौरान महिलाएं अपने आउटफिट का चुनाव बड़े ही सोच-समझ के करती हैं पर फुटवियर के मामले में थोडा कन्फ्यूज्ड हो जाती हैं। ऐसा इसलिए क्योकि महिलाएं चाहती हैं कि वो ऑफिस में ऐसा फुटवियर पहने जिसमें वो कंफर्टेबल हो साथ ही इस फुटवियर में वो स्टाइलिश भी नजर आए। अगर आप भी इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं कि समर सीजन में किस तरह का फुटवियर ऑफिस में पहन सकती हैं तो आप इस आर्टिकल की मदद से एक परफेक्ट फुटवियर का चुनाव कर सकती हैं।

**लोफर:** ऑफिस में पहनने के लिए लोफर फुटवियर एक परफेक्ट ऑप्शन हो सकता है। इस तरह जहां कंफर्टेबल हैं तो वहीं इस फुटवियर में आप स्टाइलिश भी नजर आएगी। यह फुटवियर आप सूट, जीन्स साथ ही साड़ी के साथ भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की फुटवियर आपको कई सारे कलर ऑप्शन में मिल जाएंगे जिन्हें आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगहों से 500 से 1000 तक की कीमत में खरीद सकती हैं।

**स्लिंगबैक फुटवियर:** स्लिंगबैक फुटवियर

जहां पार्टी में पहने जा सकते हैं तो वहीं महिलाएं ऑफिस में इन्हें वियर करके जा सकती हैं। इस तरह के फुटवियर को आप डेनिम के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर में आपका लुक काफी अलग नजर आयेगा साथ ही आप स्टाइलिश भी नजर आएंगी। यह फुटवियर आप ऑनलाइन या फिर ऑफलाइन दोनों ही जगहों से खरीद सकती हैं। यह फुटवियर आपको 1000 तक की कीमत में मिल जाएंगे।

# चेहरे से फाइन लाइन्स हो जाएंगी गायब, कद्दू के बीज और एलोवेरा जेल के फेस मास्क से

एक यंगर और नेचुरली ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आप कद्दू के बीज और एलोवेरा जेल की मदद से फेस मास्क बना सकते हैं। जहां कद्दू के बीज एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं, वहीं एलोवेरा जेल अपने सुखदायक और मॉइश्चराइजिंग गुणों के लिए जाना जाता है। जब आप इन दोनों को मिक्स अपनी स्किन पर अप्लाई करती हैं तो इससे आपको कई लाभ मिल सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में अपनी स्किन को यंगर दिखाने के लिए कद्दू के बीज और एलोवेरा जेल की मदद से बनने वाले फेस मास्क के बारे में बता रहे हैं- सबसे पहले कद्दू के बीज को पीसकर उसका पाउडर बना लें। अब इसमें एलोवेरा जेल, शहद

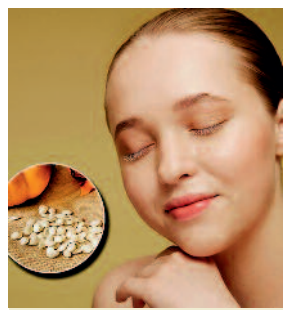

### एजिंग स्किन के लिए कद्दू के बीज के फायदे

कद्दू के बीज विटामिन ई, विटामिन सी और बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं। जो फ्री रेडिकल्स को बेअसर करने में मदद करते हैं और स्किन को समय से पहले बूढ़ा होने से रोकते हैं। साथ ही साथ, इसमें ओमेगा -3 और ओमेगा -6 फैटी एसिड होते हैं।

### एजिंग स्किन के लिए एलोवेरा जेल के फायदे

एलोवेरा जेल अपने हाइड्रेटिंग गुणों के लिए जाना जाता है। यह नमी को बनाए रखने में मदद करता है और फाइन लाइन्स और रिंकल्स की उपस्थिति को कम करता है। साथ ही साथ, एलोवेरा में अमीनो एसिड होता है जो कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देता है और स्किन की इलास्टिसिटी को बेहतर बनाता है। इससे आपकी स्किन में फाइन लाइन्स कम नजर आती हैं।

### स्किन के लिए शहद के फायदे

शहद एक प्राकृतिक ह्यूमेक्टेंट है, जिसका अर्थ है कि स्किन में नमी बनाए रखता है और उसे हाइड्रेटेड रखता है। इसके अलावा, शहद में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं जो स्किन के एजिंग प्रोसेस को स्लो करने में मदद करते हैं।

**कार्नर न्यूज**

**जींस अब महिला-पुरुष दोनों की पसंद, स्टाइल और फैशन में आगे**

# जींस पहनकर दिखना हैंडसम तो इसे खरीदते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

एक समय था, जब लोग पैंट पहनना पसंद करते हैं। ऑफिस से लेकर बाहर घूमने जाने तक के लिए पैंट ही पहनी जाती थी, लेकिन आज के समय में पैंट की जगह अब जींस ने ले ली है। अब जींस एक ऐसा आउटफिट बन चुका है, जिसे पुरुष और महिला, हर कोई पहनना पसंद करता है। ये काफी आरामदायक भी होती है। जींस पहनने के बाद हर किसी का लुक काफी अलग दिखता है। जिस तरह से जींस पहनने से लोग काफी हैंडसम दिखते हैं, ठीक उसी तरह से अगर सही जींस का चयन न किया जाए तो लुक बिगड़ भी सकता है। महिलाएं तो जींस खरीदते वक्त हर एक छोटी बात का ध्यान रखती हैं, लेकिन लड़के ऐसा नहीं करते। इसी के चलते आज के इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देने जा रहे हैं, जिनका ध्यान आपको जींस खरीदते वक्त जरूर रखना है। इन बातों को ध्यान में रखकर आप अपने लुक को स्टाइलिश बना सकते हैं।

### ट्रेंड नहीं, अपने आराम को चुनें

अक्सर लड़के ट्रेंड में जैसी जींस चल रही है, उसे बिना सोचे समझे खरीद लेते हैं। कई बार ऐसे खरीदी हुई जींस से लुक बिगड़ जाता है। ऐसे में हमेशा ऐसी जींस का चयन करें, जो आरामदायक हो, और जिसकी फिटिंग सही हो।

### क्वालिटी हो सही

जींस की क्वालिटी से कभी समझौता नहीं करें। ध्यान रखें कि जींस आपको पूरे दिन पहनकर रखनी है। अगर ये खराब क्वालिटी की होगी, तो ये आपको दिनभर परेशान कर सकती है। ऐसे में हमेशा हल्के स्ट्रेच वाली जींस ही खरीदें।

### बॉडी शेप का रखें ध्यान

जींस खरीदते वक्त अपने शरीर के आकार का ध्यान अवश्य रखें। अगर आप लंबे और पतले हैं तो आपके ऊपर स्किनी और स्ट्रेट लेग जींस फिट काफी अच्छी लग सकती हैं। वहीं अगर आपकी पियर शेप बॉडी है, तो आप पर कर्वी फिट जींस अच्छी लगेगी। इसके अलावा यदि आपकी कमर पर मोटापा ज्यादा है तो हाई राइज जींस पहनें।

### सिलाई पर भी डालें नजर

जींस खरीदते वक्त एक बार उसे उल्टा करके उसकी सिलाई पर नजर जरूर डालें। अगर इसकी सिलाई टेढ़ी है, तो पक्का ये जींस आपको या तो ढीली आएगी, या फिर काफी टाइट आएगी। लड़कों की जींस में हमेशा स्ट्रेट योक होता है, इसी वजह से इसकी फिटिंग सही आती है।